twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 07 जुलाई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 231, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

भारत ने तोड़ा बर्मिंघम का अभिमान

इंग्लैंड को 336 रन से हराया, 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में की 1-1 से बराबरी

एजबेस्टन(बर्मिंघम)
भारत ने तेज गेंदबाज आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हराकर 5 मैचों की श्रृंखला में 1-1 की बराबरी कर ली। आकाश ने दूसरी पारी में 99 रन देकर 6 विकेट लिए, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, वहीं उन्होंने मैच में कुल 10 विकेट लेकर 187 रन दिए – यह इंग्लैंड में किसी भी भारतीय गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ मैच प्रदर्शन है। यह भारत की विदेशी सरजमीं पर सबसे बड़ी रन से जीत भी रही। इसके साथ ही भारत एजबेस्टन में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम बन गई।

बारिश के बाद भी भारत ने नहीं छोड़ा दबाव
पांचवें दिन की शुरूआत बारिश के चलते 100 मिनट की देरी से हुई। इसके बाद "ॅ दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने गेंदबाजी की शुरूआत की। आकाश ने शुरूआत में ही ओली पोप को बोल्ड कर दिया और फिर हैरी ब्रूक को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को दो बड़ी सफलताएं दिलाईं। बेन स्टोक्स और जैमी स्मिथ ने कुछ देर तक मोर्चा संभाले रखा, लेकिन लंच से पहले वॉशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स को एलबीडब्ल्यू कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। लंच के बाद प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप ने लगातार दबाव बनाए रखा। आकाश ने स्मिथ को आउट कर अपनी पहली टेस्ट पारी में पांच विकेट पूरे किए। फिर आखिरकार कार्स को आउट कर उन्होंने मैच में कुल 10 विकेट हासिल किए।

शुभमन गिल की कप्तानी पारी और रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी
इस टेस्ट में कप्तान शुभमन गिल ने दो शानदार पारियां खेलीं। पहली पारी में उन्होंने 269 रन बनाए – यह किसी भारतीय कप्तान का टेस्ट में सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने रविंद्र जडेजा (89 रन) के साथ 203 रन और वॉशिंगटन सुंदर (84 रन) के साथ 144 रन की साझेदारियाँ कीं, जिससे भारत पहली पारी में 587 रन तक पहुंचा। इंग्लैंड की ओर से जैमी स्मिथ (184*) और हैरी ब्रूक (158) ने वापसी की कोशिश की लेकिन इंग्लैंड पहली पारी में 407 रन ही बना सका। मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट लिए जबकि अकाश ने 4 विकेट हासिल किए। दूसरी पारी में भी शुभमन गिल ने 161 रन बनाए और भारत ने 427/6 पर पारी घोषित कर इंग्लैंड को 608 रन का विशाल लक्ष्य दिया। इंग्लैंड की दूसरी पारी 271 रन पर सिमट गई।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड
भारतः पहली पारीः 587 रन (शुभमन गिल 269, जडेजा 89, यशस्वी 87; शुएब बशीर 3/167)
दूसरी पारीः 427/6 घोषित (गिल 161, जडेजा 69*, पंत 65; जोश टंग 2/93)

आइए नजर डालते हैं इस मुकाबले में बने बड़े रिकॉर्ड्र्स पर

1) 25 साल की उम्र में शुभमन गिल चौथे सबसे युवा भारतीय कप्तान बने जिन्होंने टेस्ट मैच में जीत दर्ज की।
2) भारत ने एजबेस्टन मैदान पर पहली बार टेस्ट मैच जीता।
3) इंग्लैंड को भारत के खिलाफ रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।
4) गिल ने एक टेस्ट में भारतीय कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा रन (430) बनाने का विराट कोहली (293) का रिकॉर्ड तोड़ा। साथ ही एक टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा रन (344) बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड भी तोड़ा।

बर्मिंघम टेस्टः भारत ने मानसून के मौसम में की रिकॉर्डों की बारिश

नई दिल्ली
बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत ने इंग्लैंड को 336 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। भारत ने इंग्लैंड के सामने 608 रनों का विशाल लक्ष्य रखा, जिसमें कप्तान शुभमन गिल का रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन अहम रहा। गिल ने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन की शानदार पारियां खेलीं। जवाब में इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 271 रन पर सिमट गई। जबकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाए थे। भारत के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने मैच में कुल 10 विकेट (187 रन देकर) झटके।

गिल ने रचा इतिहास, विदेश में टेस्ट जीतने वाले सबसे युवा भारतीय कप्तान बने

नई दिल्ली
एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने इंग्लैंड को 336 रनों से हराकर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। इस जीत के साथ ही शुभमन गिल ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। 25 साल और 301 दिन की उम्र में शुभमन गिल विदेशी सरजमीं पर टेस्ट मैच जीतने वाले सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम था, जिन्होंने 1976 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में 26 साल 202 दिन की उम्र में कप्तानी में जीत दर्ज की थी।

एजबेस्टन में भारत की ऐतिहासिक जीत
भारत ने एजबेस्टन मैदान पर अपने 19वें प्रयास में पहली बार टेस्ट जीत दर्ज की है। यह किसी एशियाई टीम द्वारा किसी विदेशी मैदान पर सबसे देर से (सबसे अधिक टेस्ट लेकर) दर्ज की गई पहली जीत है।

विदेशी मैदान पर एशियाई टीमों की पहली जीत तक लिए गए टेस्ट मैचः
19 टेस्ट -एजबेस्टन, बर्मिंघम (भारत, 2025)*
17 टेस्ट-लॉर्ड्स, लंदन (पाकिस्तान, 1982)
17 टेस्ट -केंसिंग्टन ओवल, ब्रिजटाउन (श्रीलंका, 2018)
16 टेस्ट-गाबा, ब्रिसबेन (भारत, 2021)
15 टेस्ट -न्यूलैंड्स, केप टाउन (भारत, 2024)

भारत की विदेशों में सबसे बड़ी जीतें (रनों के अंतर से)
1. 336 रन-बनाम इंग्लैंड, बर्मिंघम, 2025
2. 318 रन - बनाम वेस्टइंडीज, नॉर्थ साउंड, 2016
3. 304 रन - बनाम श्रीलंका, गाले, 2017

सहकारिता को नए-नए क्षेत्रों में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिएः विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली
दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत आज जब एक समावेशी और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, ऐसे में सहकारिता क्षेत्र को भी अपनी भूमिका का विस्तार करते हुए नए-नए क्षेत्रों में सक्रियता से भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। यह बातें उन्होंने रविवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। यह कार्यक्रम गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति में यूनाइटेड थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटीज फेडरेशन ऑफ दिल्ली लिमिटेड द्वारा सहकारिता वर्ष संग्रह और सहयोग सम्मान समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। इसमें सहकारिता आंदोलन से जुड़े उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित किया गया और समाज में सहयोग की भावना को मजबूत करने पर बल दिया गया। गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, जिसका विषय है – सहकारिताएं एक बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं। यह वैश्विक पहल सहकारिताओं की भूमिका को उजागर करती है। स्वामित्व और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सहकारिताएं लोगों को एकजुट कर उनकी साझा आर्थिक और सामाजिक आवश्यकताओं को लोकतांत्रिक स्वामित्व और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से पूरा करने का माध्यम बनती हैं। ये संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में विशेष रूप से सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देने, असमानता को घटाने, और गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संग्रह और सहयोग सम्मान कार्यक्रम इस बात का उदाहरण है कि स्थानीय सहकारी समितियां किस प्रकार सहकारिता के मूल सिद्धांतों (बचत को प्रोत्साहित करना, ऋण सुविधा उपलब्ध कराना, और सशक्त सामुदायिक नेटवर्क का निर्माण करना) को साकार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की संस्थाएं विशेष रूप से उन नागरिकों को सशक्त बनाती हैं।

केरल में पैर पसार रहा निपाह वायरस

तिरुवनंतपुरम
केरल में निपाह वायरस ने कहर बरपाया हुआ है। इसके चलते 425 लोगों पर निगरानी रखी गई है। इस बात की पुष्टि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने की। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा 228 लोग मलप्पुरम जिले में पलक्कड़ में 110 और कोझिकोड में 87 लोग निगरानी में रखे गए हैं। एक शख्स का टेस्ट नेगेटिव आया है। प्रभावित इलाकों में व्यापक निगरानी और रोकथाम के उपाय शुरू कर दिए गए हैं। मलप्पुरम में इस प्रकोप का पता लगाने और आगे फैलने से रोकने के लिए फील्डवर्क शुरू कर दिया गया है। मक्करापारम्बा, कुरुवा, कूट्टिलांगडी और मांकडा की पंचायतों के 20 वार्डों में निगरानी अभियान चलाया गया है। कुल 65 टीमों ने घर-घर जाकर जागरुकता अभियान चलाया और 1655 घरों का दौरा किया।

टीम ने मेडिकल अफसर को सौंपी रिपोर्ट
इस टीम का नेतृत्व डॉ. एनएन पामीला ने किया और सीके सुरेश कुमार, एम. शाहुल हमीद और डॉ. किरण राज ने सपोर्ट किया। टीम ने जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेणुका को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। 61 स्वास्थ्य कर्मियों की पहचान करीबी संपर्क के रूप में की गई।

ग्लोबल साउथ के साथ दोहरा व्यवहार, होनी चाहिए वैश्विक निर्णयों में भूमिकाः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विकासशील देशों के लिए समान प्रतिनिधित्व, संस्थागत सुधार और निर्णय प्रक्रिया में समावेशिता की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि बिना ग्लोबल साउथ की भागीदारी के वैश्विक संस्थाएं प्रभावी नहीं हो सकतीं। प्रधानमंत्री ने आज ब्राजील में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के 'वैश्विक शासन' सत्र के दौरान अपने संबोधन में उक्त बातें कहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मापदंडों का शिकार रहा है। संसाधनों का वितरण, जलवायु वित्त, स्थायी विकास और तकनीकी पहुंच जैसे विषयों में विकासशील देशों को केवल प्रतीकात्मक सहयोग ही मिला है। वैश्विक संस्थानों में बदलाव को जरूरी बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में, जहां तकनीक हर सप्ताह बदल रही है, वहां वैश्विक संस्थाओं का 80 वर्षों में भी न बदलना अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, इक्कीसवीं सदी के सॉफ़्टवेयर को बीसवीं सदी के टाइपराइटर से नहीं चलाया जा सकता। उन्होंने कहा कि बीसवीं सदी में बने वैश्विक संस्थानों में मानवता के दो-तिहाई हिस्से को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है।

संदेशखाली हिंसा की जांच अब सीबीआई के हाथ में

नई दिल्ली
पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में 2019 के चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं की हत्या हो गई थी। अब इस मामले की जांच सीबीआई ने अपने हाथों में ले ली है और मुख्य आरोपी शाहजहां शेख के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। संदेशखाली हिंसा के दौरान भाजपा कार्यकर्ता प्रदीप मंडल, देवदास मंडल और सुकांत मंडल की हत्या कर दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद 30 जून को एफआईआर दर्ज की है। जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मामले की अत्यंत गंभीरता से जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया है।

अदालत ने कहा कि जांच की निगरानी एक संयुक्त निदेशक की ओर से की जानी चाहिए।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने क्या कहा?
जस्टिस सेनगुप्ता ने जांच सीबीआई को सौंपते हुए कहा, "मौजूदा मामले में भी, जिसमें और भी गंभीर आरोप हैं, मैं पाता हूं कि पुलिस विभिन्न चरणों में मुख्य आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही, जिससे न्याय की घोर विफलता हुई। इसलिए, जांच की बागडोर फिर से उन्हें सौंपना न्याय के हित में नहीं होगा।"

उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि जब भी आरोपी शेख के खिलाफ आरोप लगाए जाते हैं, तो राज्य पुलिस "ढुलमुल रवैया अपनाती है, चाहे वह ईडी अधिकारियों के खिलाफ भीड़ की हिंसा का मामला हो या मौजूदा मामला हो।" उन्होंने कहा, "इसमें स्थानीय पुलिस (जैसा कि पहले मामले में था) या सीआईडी? के बीच कोई अंतर नहीं किया जा सकता है।"

यूपी में जबरदस्त बारिश से कई शहर जलमग्न

नई दिल्ली
मानसूनी बारिश उत्तर प्रदेश में जमकर बरस रही है। यूपी के अलग अलग जिलों में रोज बारिश हो रही है। शनिवार रात अलीगढ़, मथुरा मेरठ आदि बड़े शहरों में जमकर बारिश हुई जिसकी वजह से शहरों की सड़कों पर दो-दो फुट जलभराव हो गया। वहीं मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को भी कई जिलों भारी बारिश होने के आसार जताए गए हैं।

कई राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी
भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने छह जुलाई के लिए कई राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गोवा, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्र शामिल हैं।

हिमाचल में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त
बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन ने हिमाचल में सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में पिछले 14 दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में करीब 43 लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 अन्य लापता हैं। नदियों के खतरे के निशान से ऊपर बहने के साथ, आईएमडी ने चेतावनी दी है कि छह जुलाई को हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

कपोला मॉड्यूलः 7 खिड़कियों से दिखता है पूरा ब्रह्मांड

नई दिल्ली
अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में एक खास तौर का मॉड्यूल है, जिसे कपोला मॉड्यूल कहा जाता है। इस मॉड्यूल में सात खिड़कियां है, जहां से अंतरिक्ष यात्री 'ब्रह्मांड' की स्टडी करते हैं। 26 जून को भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला स्पेस स्टेशन पहुंचे हैं। इसी बीच उनकी तस्वीर सामने आई है, जहां वो कपोला मॉड्यूल से 'ब्रह्मांड' की तस्वीरें कैमरे में कैद कर रहे हैं। बता दें कि 14 दिनों तक अंतरिक्ष में रहेंगे।

कपोला मॉड्यूल की खासियतः कपोला एक छोटा मॉड्यूल है, जिसे स्पेस स्टेशन के बाहर रोबोटिक गतिविधियों, व्हीकल्स एप्रोच और स्पेस वॉक जैसी एक्टीविटिज के अवलोकन लिए डिजाइन किया गया है। कपोला की वजह से अंतरिक्ष यात्री तारों और खगोलीय पिडों को देखकर उनकी स्टडी करते हैं। कपोला की वजह से ही हमें ब्रह्मांड की शानदार तस्वीरें दुनिया तक पहुंचती है। शुभांशु ने स्पेस स्टेशन पर हड्डियों से संबंधित अध्ययन किया।

'कोविड वैक्सीन और हार्ट अटैक के बीच कोई संबंध नहीं'

बेंगलुरु
कर्नाटक के हासन में हाल ही में दिल के दौरे से हुई मौतों की जांच के लिए गठित विशेषज्ञ समिति ने भी कहा है कि इन मौतों का कोविड-19 संक्रमण या कोविड टीकों के बीच कोई संबंध नहीं है। रिपोर्ट में यहां तक कहा गया है कि कोविड-19 के टीके लंबे समय में हृदय संबंधी बीमारियां से बचाते हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय जारी किया था बयान
इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी कहा था कि कोरोना रोधी वैक्सीन और दिल के रोगों से मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है। राज्य सरकार ने यह समिति हासन जिले में दिल के दौरे से 20 से अधिक लोगों की मौतों की जांच के लिए जयदेव हृदय विज्ञान और अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. रविद्रनाथ की अध्यक्षता में बनाई थी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने उठाए थे सवाल
गौरतलब है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने दिल के दौरे से होने वाली मौतों को कोरोना रोधी वैक्सीन से जोड़ा था। उन्होंने कहा था कि कोरोनारोधी वैक्सीन को जनता के लिए जल्दबाजी में मंजूरी देना और इन्हें लोगों को लगाया जाना इन मौतों का एक कारण हो सकता है। उनके बयान की भाजपा और बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार शॉ ने तीखी आलोचना की थी। युवाओं में दिल के रोगों की वृद्धि के लिए लांग कोविड जिम्मेदार

समिति ने दो जुलाई को सरकार को पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान डाटा के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि युवाओं में दिल के रोगों की वृद्धि के लिए लांग कोविड जिम्मेदार है।

लांग कोविड जिसे पोस्ट-कोविड के रूप में भी जाना जाता है, स्वास्थ्य समस्याओं को संदर्भित करता है जो प्रारंभिक कोविड-19 संक्रमण के बाद बनी रह सकती है या विकसित हो सकती है। ये लक्षण हफ्तों, महीनों या सालों तक रह सकते हैं।

हृदय रोग और कोविड वैक्सीनेशन के बीच कोई संबंध नहीं
रिपोर्ट में कहा गया है, अध्ययन में समय से पहले होने वाले हृदय रोग और कोविड-19 संक्रमण या कोविड वैक्सीनेशन के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया। दुनिया के अन्य हिस्सों में प्रकाशित अधिकांश अध्ययन/रिपोर्टों ने भी कोविड वैक्सीनेशन और अचानक हृदय संबंधी घटनाओं के बीच कोई संबंध नहीं पाया है। इसके विपरीत, कोविड वैक्सीनेशन को लंबे समय में हृदय संबंधी घटनाओं के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने वाला पाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल के रोगों से होने वाली मौतों में अचानक वृद्धि के पीछे कोई एक कारण नहीं है।

'हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं', भाषा विवाद पर बोले राज ठाकरे

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में जारी भाषा विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली को संबोधित किया। इस अवसर पर राज ठाकरे ने कहा, मैंने कहा था कि झगड़े से बड़ा महाराष्ट्र है। हम 20 साल बाद एक मंच पर आए हैं। हमारे लिए कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र और मराठी हमारे लिए एजेंडा है।राज ठाकरे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम शांत हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी से डरते हैं। मुंबई को महाराष्ट्र से कोई भी अलग नहीं कर सकता। हिंदी अच्छी भाषा है, लेकिन इसे थोपा नहीं जा सकता है। हिंदी बोलने वाले महाराष्ट्र में रोजगार के लिए आते हैं। मनसे अध्यक्ष ने कहा, एक मंत्री मुझसे मिले और अपनी बात सुनाने को कहा। मैंने साफ कहा कि मैं सुनूंगा पर मानूंगा नहीं। मैंने उनसे सवाल किया कि उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में तीसरी भाषा क्या होगी। ये सभी हिंदी भाषी राज्य हमसे पीछे हैं, हम उनसे आगे हैं, फिर हमें जबरन हिंदी क्यों सीखनी पड़े? तो यह अन्याय है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि तीन भाषा का फॉर्मूला

कहां से आया? ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सब कुछ अंग्रेजी में है, किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है। मराठा शासन हिंदी भाषा से भी पुराना है। मेरे पिता और बाला साहेब ने भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई की थी। क्या आपने कभी उनके मराठी या महाराष्ट्र प्रेम पर सवाल उठाया? राज ठाकरे ने कहा कि हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम जाते हैं तो हमारी मराठी पर सवाल उठते हैं। लालकृष्ण आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े हैं तो क्या उनके हिंदुत्व पर सवाल उठाएं? हम हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे बस मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करना चाहते हैं, यही उनका एजेंडा है। वे मुद्दे को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। अब वे यह मुद्दा उठा रहे हैं कि ठाकरे के बच्चे अंग्रेजी में पढ़े हैं। यह क्या बकवास है? कई भाजपा नेताओं ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की है, लेकिन किसी को उनके हिंदुत्व पर संदेह है। उन्होंने कहा, दक्षिण में स्टालिन, कनिमोझी, जयललिता, नारा लोकेश और सूर्या, सभी ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है। बालासाहेब और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है, लेकिन वे मातृभाषा मराठी के प्रति बहुत संवेदनशील थे। बालासाहेब ठाकरे ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की, लेकिन उन्होंने मराठी भाषा से समझौता नहीं किया। किसी को भी मराठी को तिरछी नजर से नहीं देखना चाहिए।वहीं, उद्धव ठाकरे ने मंच पर आते ही कहा, राज ठाकरे ने बहुत कुछ बोल दिया, क्या मुझे कुछ बोलने की जरूरत है?

पिनाराई विजयन उपचार के लिए अमेरिका रवाना

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन विशेष चिकित्सा उपचार के लिए सपत्नीक अमेरिका रवाना हो गये। श्री विजयन 10 दिनों के लिए वाया दुबई होते हुए आज तड़के तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे से रवाना हुए। वह डॉक्टर परामर्श और आगे के उपचार के लिए मिनेसोटा के रोचेस्टर में प्रसिद्ध मेयो क्लिनिक जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2018, 2022 और 2023 में मायो क्लिनिक में उपचार कराया था। विदेश दौरों के दौरान मुख्यमंत्री आमतौर पर जिम्मेदारियां नहीं सौंपते हैं। वह आमतौर पर ऑनलाइन मंत्रिमंडल बैठक में भाग लेते हैं और आवश्यक आधिकारिक मामलों को भी देखते हैं। मुख्यमंत्री के साथ पत्नी टी कमला और निजी स्टाफ सदस्य वी एम सुनीश भी गए हैं। श्री विजयन ने हालांकि नीलांबुर उपचुनाव से पहले अमेरिका जाने की योजना बनाई थी, लेकिन चुनाव संबंधी प्रतिबद्धताओं के कारण उन्होंने यात्रा स्थगित कर दी गई थी। उनका यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली व्यापक आलोचना और सार्वजनिक आक्रोश का सामना कर रही है। इस पृष्ठभूमि के बीच, हाल ही में कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में एक इमारत के ढहने से एक महिला की मौत की घटना पर विवाद जारी है। मुख्यमंत्री ने मृतक बिंदु के परिवार से मुलाकात नहीं की। इसके विपरीत, ओमन चांडी फाउंडेशन (दिवंगत कांग्रेस मुख्यमंत्री के नाम पर) ने परिवार को उनके घर का निर्माण पूरा करने में मदद करने के लिए पांच लाख रुपये दिए हैं। श्री विजियन का प्रस्थान तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज में यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. हैरिस चिरायक्कल की एक वायरल फेसबुक पोस्ट के बाद हुआ है, जिसमें अस्पताल में प्रणालीगत मुद्दों को उजागर किया गया था और राज्य के स्वास्थ्य ढांचे पर लोगों की चिंता बढ़ गई थी। इस बीच, कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में दुखद मौत ने राजनीतिक तूफान आ गया। जिससे विपक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के इस्तीफे की मांग करते हुए राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था जम्मू से हुआ रवाना

जम्मू। श्री अमरनाथ यात्रा के 6979 तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था बम बम भोले के जयकारों के बीच दक्षिण कश्मीर हिमालय में भगवती नगर स्थित यात्री निवास से बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तीर्थयात्री 312 वाहनों के बेड़े में जम्मू के आधार शिविर से रवाना हुए। उन्होंने कहा आज सुबह 6979 श्री अमरनाथ यात्रा तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू बेस कैंप से कश्मीर में पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि 312 वाहनों के बेड़े में 2753 तीर्थयात्री पहलगाम और 4226 तीर्थयात्री बालटाल के लिए रवाना हुए। इस बेड़े में हल्के वाहन और भारी वाहन शामिल हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू से यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद से नये जत्थे के रवाना होने के साथ ही अब तक कुल 24,528 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, हथगोले और गोला-बारूद बरामद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ के उपजिला सुरनकोट में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड कर हथगोले, गोला-बारूद समेत अन्य सामग्री बरामद की है। यह बरामदगी बेहरामगला के पास मरहा इलाके में की गई जहां पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया। अधिकारियों के मुताबिक आतंकी ठिकाने की तलाशी में तीन हथगोले, बीस गोलियां, वायर कटर, चाकू, चार्जिंग केबल और बैटरी जब्त की गई। तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

आपकी प्रार्थनाओं का फल मिला, अभी 30 से 40 साल और जिऊंगा: दलाई लामा

धर्मशाला। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो ने कहा की कई भविष्यवाणियों को देखते हुए, मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30 से 40 साल और जीऊंगा। धर्मगुरु ने कहा कि आपकी प्रार्थनाओं का अब तक फल मिला है और आगे भी इसी तरह मिलता रहेगा। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने यह बात उनके 90वें जन्मदिन से एक दिन पूर्व शनिवार को आयोजित प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए कही। दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस को लेकर शनिवार से दो दिवसीय समारोह शुरू हो गया है। समारोह के पहले दिन शनिवार सुबह मैक्लोडगंज के मुख्य तिब्बती मंदिर चुगलाखांग में उनकी लंबी उम्र के लिए दो दिवसीय धार्मिक प्रार्थना सभा शुरू हुई। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन सीटीए द्वारा धर्मगुरु दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए इस प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा कि हालांकि हमने अपना देश खो दिया है और हम भारत में निर्वासन में रह रहे हैं, लेकिन यहीं मैं जीवों को काफी लाभ पंहुचाने में सक्षम रहा हूं। मैं जितना हो सके जीवों को लाभ पंहुचाने और उनकी सेवा करने का इरादा रखता हूं।

वैश्विक स्तर पर भारत की बड़ी सफलता

विश्व बैंक ने दुनिया के सर्वाधिक 'समतामूलक समाज' में किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत न केवल विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, बल्कि आज यह सर्वाधिक समतामूलक समाजों में से एक भी है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत का गिनी सूचकांक 25.5 है, जो इसे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद दुनिया का चौथा सबसे समतामूलक देश बनाता है। यह भारत जैसे बड़े और विविधता वाले देश के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि भारत की आर्थिक प्रगति का लाभ लोगों में समान रूप से पहुंच रहा है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तीय पहुंच का विस्तार और कल्याण सहायता को सीधे उन लोगों तक पहुंचाने पर लगातार नीतिगत ध्यान केंद्रित करना है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। गिनी सूचकांक यह समझने का एक सरल तरीका है कि किसी देश में घरों या व्यक्तियों के

बीच आय, संपत्ति या उपभोग के वितरण में कितनी समानता है। इसका मूल्य 0 से 100 तक होता है। 0 स्कोर का अर्थ पूर्ण समानता है, यानी आय आदि समान रूप से सभी लोगों के बीच वितरित हो रही है। 100 स्कोर का अर्थ है कि एक ही व्यक्ति के पास पूरी आय, संपत्ति या उपभोग है और दूसरों के पास कुछ भी नहीं है, इसलिए पूर्ण असमानता है। गिनी इंडेक्स जितना अधिक होगा, देश उतना ही असमान होगा। विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। यह भारत को सापेक्ष रूप से दुनिया के सबसे समान देशों में से एक बनाता है। भारत का स्कोर चीन के 35.7 से बहुत कम है और अमेरिका से भी बहुत कम है, जो 41.8 पर है। यह हर जी7 और जी20 देश के भी प्रत्यक्षतः समान है, जिनमें से कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं मानी जाती हैं। भारत 'सामान्य से कम' असमानता श्रेणी में आता है, जिसमें गिनी स्कोर 25 से 30 के बीच है और यह 'कम असमानता' समूह में शामिल होने से थोड़ा ही दूर है, जिसमें स्लोवाक गणराज्य जैसे देश शामिल हैं, जिनका स्कोर 24.1 है, स्लोवेनिया 24.3 है और बेलारूस 24.4 है। इन तीनों के अलावा, भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डेटा जारी किया है। वैश्विक स्तर पर, सिर्फ 30 देश सामान्य से कम' असमानता श्रेणी में आते हैं। इसमें अत्यधिक लोक कल्याण वाले अनेक यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं। भारत का अधिक समतामूलक समाज की ओर रुख पिछले कुछ वर्षों में इसके गिनी सूचकांक में परिलक्षित होता है। 2011 में यह सूचकांक 28.8 पर मापा गया था और 2022 में 25.5 पर पहुंच गया।

नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

सीबीआई और ईडी के प्रत्यर्पण अनुरोध पर हुई कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को संयुक्त राज्य अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह गिरफ्तारी भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई है। नेहल मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में सहयोग करने और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे संगीन आर्थिक अपराधों में संलिप्त होने के आरोप हैं। भारतीय एजेंसियों द्वारा उसे पहले से ही वांछित अपराधी घोषित किया जा चुका है। नेहल मोदी के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका था। भारत की तरफ से अमेरिका को नेहल के प्रत्यर्पण के लिए औपचारिक अनुरोध भेजा गया था, जिसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया।

रेवंत रेड्डी बोले, 'इंदिरा गांधी की महानता समझाने के लिए कुछ को पीटना जरूरी'

'पूनावाला बोले- 'मानसिकता आपातकाल वाली'

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के एक बयान को आधार बनाकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ÷रेवंत रेड्डी ने आज एक बार फिर साबित किया है कि कांग्रेस 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी है। 50 साल बाद भी रेवंत रेड्डी का यह रवैया दिखाता है कि वह इंदिरा गांधी के सच्चे समर्थक हैं। उन्होंने जय संविधान रैली में धमकी दी कि जो लोग इंदिरा गांधी को नहीं समझते, उन्हें वे बुरी तरह से पीटेंगे। 50 साल पहले इंदिरा गांधी ने भी हमारे लोकतंत्र के साथ ऐसा ही करने की कोशिश की थी। आज भी कांग्रेस में वही आपातकाल की मानसिकता मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, चाहे वह

तेलंगाना हो, कर्नाटक हो या हिमाचल प्रदेश, जहां मंत्री भी अफसरों को पीटते हैं और यह कांग्रेस पार्टी की आपातकाल वाली मानसिकता को दर्शाता है। यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि सच्चाई को दबाया जाए और लोगों को डराया जाए। तेलंगाना में कथित तौर पर 40 लोगों की हत्या राज्य प्रायोजित तरीके से हुई है। वहां जवाबदेही के बजाय, पत्रकारों को धमकाया जा रहा है, जैसा कि रेवंत रेड्डी पहले भी कर चुके हैं। उन्होंने जंगल की जमीन के लिए प्रदर्शन करने वाले लोगों को भी धमकाया है। यह दिखाता है कि कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता आज भी पूरी तरह जीवित है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, ÷इंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी और विकास योजनाएं गरीबों के जीवन को रोशन कर रही हैं और यही कारण है कि हम अपनी कल्याणकारी योजनाओं का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रख रहे हैं। हैदराबाद में गरीबों को 5 रुपए में भोजन और यहां तक कि उन्हें नाश्ता उपलब्ध कराने के लिए हमने कैंटीन का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रखा है। इन मूर्ख लोगों ने इंदिरा गांधी के नाम पर कैंटीन का नाम रखे जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया।

राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर व्यक्तिगत आक्षेपों के लिए कोई स्थान नहीं-शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाल के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा है कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर व्यक्तिगत आक्षेपों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। श्री शेखावत यहां सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में शेखावत ने कहा कि श्री गहलोत द्वारा इसी सर्किट हाउस में उनकी दिवंगत माता पर जो गंभीर आरोप लगाए थे, वे पूरी तरह निराधार और निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि अब श्री गहलोत ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और मीडिया के जरिए उन्हें संदेश भेज रहे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस मुद्दे को केवल राजनीतिक नहीं बल्कि व्यक्तिगत सम्मान और परिवार की गरिमा से जुड़ा मामला मानते हैं।

श्री शेखावत ने कहा कि कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार पर संविधान से छेड़छाड़ के आरोप लगाना बिल्कुल भी शोभनीय नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा अल्पसंख्यकों को 'पहला अधिकार' देने की बात को कौन भूल सकता है। इसलिए पहले कांग्रेस को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए, उसके बाद भाजपा पर कोई

आरोप लगाना चाहिए। श्री गहलोत द्वारा आपातकाल पर माफी मांगने से जुड़े सवाल पर भी श्री शेखावत ने पलटवार करते हुए कहा कि क्या जबरन नसबंदी के शिकार लोग उस अमानवीयता को भूल पाएंगे। क्या उनका कोई कसूर था। यह विषय क्षमा योग्य नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने केवल अपनी सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा। उन्होंने कहा कि लंबी गुलामी और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बाद भारत को आजादी मिली। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक इतिहास में देश की गौरवशाली परंपराओं के प्रमाण मिलते हैं। हमारा संविधान दुनिया का सबसे सजीव और प्रगतिशील संविधान है जो 1950 में लागू हुआ।

इसी के साथ नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी प्राप्त हुई लेकिन देश पर थोपे गए आपातकाल के दौरान हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया। मीडिया पर घोषित और अघोषित प्रतिबंध लगाए गए। पत्रकारों को जेल भेजा गया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी दबा दिया गया। श्री शेखावत ने कहा कि आजादी के बाद के शासनकाल में हुए जनांदोलनों को नकारा नहीं जा सकता। वर्ष 1977 में जब जनता ने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई, तब जाकर लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई।

योगी सरकार की पहल, बौद्ध-सिख श्रद्धालुओं के लिए दो तीर्थ यात्रा योजनाएं होंगी शुरू

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं हेतु 'बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना' और सिख श्रद्धालुओं के लिए 'पंच तख्त यात्रा योजना' प्रारंभ की जाए। इन योजनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं

को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें। मुख्यमंत्री की मंशानुसार, बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के हिंदू और बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा पूरी कराना है। मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के सिख श्रद्धालुओं को भारत के पांच पवित्र 'तख्त साहिब' स्थल की यात्रा कराई जाएगी। सिख पंथ के लिए पवित्र पंच तख्त स्थलों में श्री आनंदपुर साहिब, पंजाब, श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर, पंजाब, श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो, पंजाब, श्री तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र, श्री हरमंदिर जी साहिब (पटना साहिब), बिहार, शामिल हैं। प्रस्तावित दोनों ही योजनाओं में प्रति व्यक्ति न्यूनतम 10,000 रुपए की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी जानी चाहिए।

ट्रंप के टैरिफ के सामने मोदी का झुकना तय : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल जो भी दावे करें लेकिन यह तय है कि श्री मोदी दबाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ की शर्तों के सामने घुटने टेक देंगे। श्री गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा पीयूष गोयल चाहे जितनी चाहें छाती पीट लें, लेकिन मेरी बात पर ध्यान देना कि श्री मोदी ट्रम्प की टैरिफ डेडलाइन के आगे झुक जाएंगे। कांग्रेस नेता ने इसके साथ ही श्री गोयल के बयान पर छपी एक खबर की कतरन भी पोस्ट की है जिसमें वह दावा कर रहे हैं कि उनकी सरकार के लिए अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के दौरान यूएस टैरिफ की तय सीमा से ज्यादा महत्वपूर्ण भारत का हित है। श्री गांधी की यह प्रतिक्रिया वाणिज्य मंत्री के उस बयान पर आई है जिसमे श्री गोयल ने कहा है कि भारत ने कभी व्यापार समझौते या उसके किसी हिस्से पर समय की कोई बाध्यता या दबाव में चर्चा नहीं की है। हमे राष्ट्रीय हितों को सुनिश्चित कर ऐसा निष्पक्ष समझौता चाहिए जिसका सतत लाभ हमें मिलता रहे।

संभल सड़क हादसे में मृतकों की संख्या हुई आठ

एजेंसी

संभल। जिले के हरगोविंदपुर गांव में देरशाम को बारात निकलने के दौरान एक कार स्कूल की दीवार से टकरा गई थी। हादसे में दूल्हा समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अस्पताल में भर्ती कई लोगों की हालत गंभीर बनी थी। तीन अन्य लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। मृतकों की संख्या बढ़कर अब 8 हो गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्ननोई ने बताया कि थाना जुनावई क्षेत्र के ग्राम हरगोविंदपुर में रहने वाले सुखराम के बेटे सूरज (19) की शादी थी। देरशाम बारात बंदायू में सिरसौल गांव जाने के लिए निकली। कार में सूरज की भाभी आशा (26), भतीजी (ऐश्वर्या), विष्णु (02) अन्य लोग सवार था। कई गाड़ियों के आगे

निकलने के बाद सूरज की गाड़ी चली, जिसमें दूल्हा समेत 10 लोग बैठे थे। गांव के कुछ ही दूर जनता इंटर कॉलेज की दीवार पर दूल्हे की तेज रफ्तार कार टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी और उसमें बैठे दुल्हा समेत 5 लोग की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पुलिस पहुंची और राहत बचाव करते हुए 5 अन्य घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें कुछ की हालत नाजुक देख अलीगढ़ रेफर किया गया। घायलों को बाहर निकालने में पुलिस को क्रेन की मदद ली। इसी बीच सूचना पर पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार, सीओ और सीएमओ समेत प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की जांच की गई। एसपी ने बताया कि दुर्घटना का कारण कार पर से चालक का नियंत्रण खोना है। मौके पर दूल्हा समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। अस्पताल में जिन तीन लोगों की मौत हुई उनकी पहचान दूल्हे की बहन मधु, चालक रवि और ग्रामीण सचिन के रूप में हुई है। जो घायल है उनकों बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है।

प्रवीन नेत्तारू हत्या मामले का फरार आरोपित एयरपोर्ट से गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के सदस्य प्रवीन नेत्तारू हत्या मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। दो वर्षों से फरार एक प्रमुख आरोपित को कतर से लौटने पर कन्नूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। नेत्तारू की पोपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के एक सदस्य ने हत्या कर दी थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी। आरोपित की पहचान अब्दुल रहमान के रूप में हुई है। हत्या में वे एक प्रमुख सहयोगी रहा है। उस पर चार लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह अब तक छह फरार आरोपितों में से एक था। अप्रैल 2025 में एनआईए द्वारा इस मामले में चार आरोपितों के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया गया था। अब तक कुल 28 लोगों के विरुद्ध आरोप पत्र दायर हो चुके हैं। जांच में यह सामने आया कि अब्दुल रहमान ने निर्देशानुसार मुख्य हमलावरों और अन्य आरोपितों को शरण दी थी। हमले के बाद वह विदेश चला गया था। प्रवीन नेत्तारू की हत्या 26 जुलाई 2022 को दक्षिण कन्नड़ जिले के सुल्या तालुक के बेल्लारे गांव में की गई थी। धारदार हथियारों से किए गए इस हमले को समाज में भय और अस्थिरता फैलाने के उद्देश्य से अंजाम दिया गया। जांच एजेंसी शेष फरार आरोपितों का पता लगाने के लिए अभियान चला रही है।

बॉम्बे हाई कोर्ट में दो जजों की नियुक्ति को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बांबे हाई कोर्ट के लिए दो जजों की नियुक्ति की है। जारी नोटिफिकेशन के जरिये इस आशय की घोषणा की गयी। राष्ट्रपति ने गौतम अश्विन अंखड और महेंद्र माधवराव नेर्लिकर को बांबे हाई कोर्ट का एडिशनल जज नियुक्त करने का आदेश दिया है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ 6 व 7 जुलाई को केरल के दौरे पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आगामी 6 और 7 जुलाई को केरल के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह धार्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने एक बयान में बताया कि धनखड़ 7 जुलाई को त्रिशूर जिले में स्थित पवित्र गुरुवायुर मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। गुरुवायुर मंदिर भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित एक प्रमुख तीर्थस्थल है, जहां देश-विदेश से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। गुरुवायुर मंदिर में पूजा के बाद उपराष्ट्रपति कोच्चि स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज का दौरा करेंगे। वहां वह विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के साथ संवाद करेंगे तथा उन्हें प्रेरणादायक संबोधन देंगे। उपराष्ट्रपति के इस दौरे को केरल में शिक्षा और संस्कृति को बढ़ावा देने के एक सकारात्मक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

विशाल मेगा मार्ट में लगी आग

नई दिल्ली। मध्य जिले के करोल बाग के पदम सिंह रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट के शोरूम में अचानक आग लग गई। यह शोरूम 10209/10 नंबर बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर स्थित है और यहां कपड़ों से लेकर किराना तक के सामान की बिक्री होती है। चार मंजिला इस इमारत में आग लगने के बाद मौके पर दमकल विभाग की 13 गाड़ियां तुरंत पहुंचीं। दमकलकर्मियों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया है, हालांकि राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है। बताया जा रहा है कि आग लगने के वक्त शोरूम में कुछ कर्मचारी मौजूद थे। फिलहाल एक व्यक्ति के लापता होने की आशंका जताई जा रही है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आग के कारणों की जांच की जा रही है और प्राथमिकता सभी लोगों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करना है। फिलहाल दमकल विभाग आग बुझाने में जुटा हुआ है।

छेड़छाड़ के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। नंद नगरी थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की से हुई छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई स्कूटी भी जब्त की है। पुलिस अधिकारी के अनुसार 30 जून को थाना नंद नगरी में एक नाबालिग लड़की द्वारा छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई गई थी। पीड़िता ने बताया कि घटना 4 मार्च 2025 को दोपहर में उस समय हुई जब वह अपनी एक सहेली के साथ शनिवार बाजार रोड स्थित एस.के. गर्ग क्लॉथिंग शॉप के पास टहल रही थी।लड़की ने बताया कि चार युवक दो बाइक और दो स्कूटी पर सवार होकर उनका पीछा कर रहे थे। जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपितों ने गाली-गलौच की और एक युवक ने उसके चेहरे पर थूक दिया। जिसके बाद सभी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। घटना को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया।टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों, तकनीकी सुरागों और स्थानीय सूत्रों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर गहन जांच की। जांच के दौरान एक आरोपित की पहचान सुंदर नगरी निवासी अफनान (19) के रूप में हुई।

आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर निर्दोषों की हत्या की, सेना ने कर्म के आधार पर उनका सफाया किया: राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना की तारीफ करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर निहत्थे पर्यटकों की जान ली थी जिसके जवाब में उनका सफाया कर सेना ने अपने कर्म का पालन किया। हैदराबाद के तेलंगाना में आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने कहा, आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या अपने 'धर्म' के आधार पर की, जबकि हमारी सशस्त्र सेनाओं ने ऑपरेशन 'सिंदूर' के माध्यम से अपने 'कर्म' के आधार पर आतंकियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया।÷ उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे को ध्वस्त करते समय धैर्य और संयम का परिचय दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने पूरे ऑपरेशन के दौरान यह सुनिश्चित किया कि किसी भी निर्दोष नागरिक को नुकसान न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

भारतीय सशस्त्र बलों को आतंकवाद के खिलाफ किसी भी प्रकार की कार्रवाई के लिए पूर्ण स्वतंत्रता और सामर्थ्य प्राप्त है। कार्यक्रम का आयोजन महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 128वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा कि %ऑपरेशन सिंदूर% के दौरान हमारी सेनाओं द्वारा दिखाया गया संयम, अल्लूरी सीताराम राजू के जीवन मूल्यों की तरह है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। अल्लूरी को 'योद्धा-संत' की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि वह केवल एक क्रांतिकारी नहीं थे, बल्कि एक संपूर्ण आंदोलन थे। उन्होंने सीमित संसाधनों में भी गुरिल्ला युद्ध नीति अपनाकर अत्याचारियों के खिलाफ संघर्ष किया और सिद्ध कर दिया कि अन्याय के विरुद्ध खड़ा होना केवल अधिकार नहीं बल्कि राष्ट्र का धर्म है।

रक्षा मंत्री ने सरकार की जनजातीय सशक्तीकरण की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पीएम ट्राइबल डेवलपमेंट मिशन, स्किल इंडिया, और राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान जैसे कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम जनजातीय समुदायों को सम्मान और अवसर के साथ मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, औपनिवेशिक काल में जहां आदिवासियों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित किया गया, वहीं आज वे देश की सतत प्रगति के रक्षक बनकर उभरे हैं। सरकार केवल नीति के आधार पर नहीं, बल्कि भावना और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

आईआईएमसी में एएससीआई के सहयोग से मेगा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने अपने परिसर में भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) के सहयोग से एक मेगा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया, विज्ञापन, विपणन, कानून और प्रबंधन में विशेषज्ञता रखने वाले विभिन्न संस्थानों के संकाय सदस्यों को जिम्मेदार विज्ञापन, स्व-नियमन और उभरते मीडिया परिदृश्य के सिद्धांतों के प्रति संवेदनशील बनाना था। उद्घाटन सत्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) के संयुक्त सचिव सी. सेंथिल राजन, आईआईएमसी की कुलपति डॉ. अनुपमा भटनागर, एएससीआई की सीईओ और महासचिव मनीषा कपूर और नेस्ले के निदेशक और वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रणनीति, विपणन और संचार) चंदन मुखर्जी ने भाग लिया। इस अवसर पर आईआईएमसी के रजिस्ट्रार डॉ. निमिष रुस्तगी भी मौजूद थे। इस मौके पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) के संयुक्त सचिव सी. सेंथिल राजन ने भावी पीढ़ी के कंटेंट क्रिएटर्स को विज्ञापन संहिताओं और नैतिक रूपरेखाओं के आवश्यक ज्ञान से लैस करने के लिए नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कंटेंट क्रिएटर को विज्ञापन को नियंत्रित करने वाले नियमों और विनियमों को समझना चाहिए। आईआईएमसी भारत में बेहतरीन रचनात्मक प्रतिभा का निर्माण कर रहा है। इन कार्यशाला जैसी पहल उनके कौशल को निखारती है और उनकी जागरूकता बढ़ाती है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन जगत में नैतिक जिम्मेदारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संकाय और छात्रों के लिए इस तरह की और अधिक कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का समर्थन करने का समर्थन करता है।

कोरोना वैक्सीन को युवा वयस्कों में अचानक मृत्यु से जोड़ने वाले दावों को आईएमए ने किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने कोरोना वैक्सीन को युवा वयस्कों में अचानक मृत्यु से जोड़ने वाले दावों को खारिज कर दिया है। आईएमए ने बयान में कर्नाटक के हासन जिले में युवा वयस्कों में हृदय रोग से संबंधित मौतों में अचानक वृद्धि पर राज्य के मुख्यमंत्री के हालिया बयान को भ्रामक बताया। आईएमए ने कहा कि यह सही तस्वीर नहीं दर्शाता है। भारत में हार्ट अटैक की घटना वैश्विक स्तर पर देखी गई घटनाओं से अधिक है, लेकिन इस प्रवृत्ति का कोरोना टीकाकरण से कोई संबंध नहीं है। जीवनशैली में व्यापक बदलाव इसके पीछे कारण हो सकता है। साथ ही इसके पीछे इंसुलिन प्रतिरोध, कार्डियोवास्कुलर डिजीज का सकारात्मक पारिवारिक इतिहास और कुछ आनुवंशिक कारकों सहित पहले से मौजूद सह-रुग्ण स्थितियों का प्रत्यक्ष प्रभाव हो सकता है। आईएमए ने कहा कि आईसीएमआर ने भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में

अस्पष्टीकृत अचानक मृत्यु से जुड़े कारकों पर एक अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि कोरोना टीकाकरण ने युवा वयस्कों में अस्पष्टीकृत अचानक मृत्यु के जोखिम को नहीं बढ़ाया। इसी तरह का निष्कर्ष एम्स द्वारा किए गए एक अध्ययन में भी निकला है। आईएमए ने कहा कि %कोरोना टीकों से अचानक मृत्यु होती है- जैसे बयानों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इस संबंध में चिकित्सा बिरादरी किसी भी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा जारी किए गए ऐसे किसी भी बयान की निंदा करती है, जिसमें हासन जिले में हाल ही में हुई युवा वयस्कों की मौतों के साथ कोरोना टीकाकरण को जोड़ा गया हो। आईएमए ने कहा कि यह भी अस्वीकार्य है कि कोई भी व्यक्ति बिना किसी ठोस सबूत के ऐसे बयान जारी करे, जिससे उन लाखों लोगों में घबराहट और डर पैदा हो सकता है, जिन्होंने टीके लगवाए थे। जबकि टीके ने इस दौरान कई लोगों की जान बचाई थी।

विधानसभा अध्यक्ष ने छह विशेष समितियों का गठन किया, समितियों की संख्या बढ़कर हुई 35

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने वर्ष 2025-26 के लिए 6 नई विशेष समितियों के गठन की घोषणा की। इन समितियों में दिल्ली नगर निगम पर विशेष समिति, शांति एवं सद्भाव समिति, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण पर समिति, ट्रांसजेंडर्स एवं दिव्यांगजनों के कल्याण की समिति सहित अन्य समितियां शामिल हैं। इस गठन के साथ ही दिल्ली विधानसभा में कुल समितियों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। इन समितियों का उद्देश्य व्यवस्था को मजबूत करना और उपेक्षित समुदायों की समस्याओं पर केंद्रित ध्यान देना है। गुप्ता ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि इन समितियों का गठन चार चरणों में किया गया। पहले चरण में 11 समितियां, दूसरे चरण में 7, तीसरे चरण में 11 और चौथे चरण में इन 6 विशेष समितियों का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि इन नई समितियों के गठन से विधानसभा ने जवाबदेह और समानता आधारित

कानून बनाने के अपने संकल्प को और मजबूत किया है।दिल्ली विधानसभा सदस्यों के वेतन और अन्य भत्तों पर विशेष समिति के अध्यक्ष अभय कुमार वर्मा और सदस्य गजेंद्र सिंह यादव, पूनम शर्मा, राज कुमार चौहान, संजीव झा, सूर्य प्रकाश खत्री, तरविंदर सिंह मारवाह, विशेष रवि और चौधरी जुबैर अहमद हैं। सदस्यों के साथ सरकारी अधिकारियों द्वारा प्रोटोकॉल उल्लंघन और अवमाननापूर्ण व्यवहार पर विशेष सदन समिति के अध्यक्ष संजय गोयल और सदस्य अनिल गोयल, अनिल झा, अनिल कुमार शर्मा, जरनैल सिंह, करनैल सिंह, कुलवंत राणा, ओम प्रकाश शर्मा और सूर्य प्रकाश खत्री हैं। दिल्ली नगर निगम पर विशेष समिति के अध्यक्ष रविंदर सिंह नेगी और सदस्य अजय दत्त, आले मोहम्मद इकबाल, अशोक गोयल, आतिशी, कुलवंत राणा, मनोज कुमार शौकीन, राज कुमार भाटिया, संदीप सहरावत हैं। शांति एवं सद्भाव पर विशेष समिति के अध्यक्ष चंदन कुमार चौधरी और सदस्य आले मोहम्मद इकबाल, अशोक गोयल, कुलवंत राणा, मनोज कुमार शौकीन, नीलम पहलवान, पुनर्दीप सिंह साहनी, श्याम शर्मा और सूर्य प्रकाश खत्री हैं।

भारत का अधोसंरचना भविष्य केवल लक्ष्य नहीं, जिम्मेदारी है : अजय टम्टा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, दिल्ली के विशेषज्ञों तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद में भाग लिया।उन्होंने कहा कि भारत के अधोसंरचना का भविष्य नवाचार आधारित, सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाला और भारतीय परिस्थितियों पर केंद्रित योजनाओं में निहित है। कार्यक्रम में न केवल सड़क सुरक्षा समाधान प्रस्तुत किए गए बल्कि नई तकनीकों, उन्नत योजना पद्धतियों और कम लागत में अधिक प्रभाव वाले डिजाइनों का भी प्रदर्शन किया गया, जो देश में सड़कों के निर्माण

की दिशा को पूरी तरह से बदल सकते हैं। टम्टा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत 2047 की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए कहा कि मंत्रालय केवल सड़कें नहीं बना रहा, बल्कि ऐसे मार्ग तैयार कर रहा है जो औद्योगिक विकास, शहरी विस्तार, डिजिटल संपर्क और नागरिक कल्याण के सशक्त माध्यम बनेंगे।उन्होंने निर्माण की पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर नवाचार आधारित पूर्व नियोजन की आवश्यकता पर बल दिया, जहां सड़क परियोजनाएं केवल तकनीकी कार्य न रहकर बहु-क्षेत्रीय समग्र विकास का माध्यम बनें। संवाद के दौरान टम्टा ने संस्थानों के शिक्षकों और नवप्रवर्तकों से मुलाकात की और कहा कि इन नवाचारों से सुरक्षा ही नहीं सुधरेगी, बल्कि भूमि अधिग्रहण, यातायात जाम, अंतिम मील संपर्क और लागत जैसी जटिल समस्याओं का समाधान भी संभव है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में विदेशी ढांचागत मॉडल की नकल नहीं चल सकती।

दलाई लामा पद आस्था और विश्वास से जुड़ा, भारत का इस पर कोई मत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने स्पष्ट किया है कि अगले दलाई लामा को लेकर उसका कोई मत नहीं है। यह धार्मिक विषय है और भारत धार्मिक स्वतंत्रता का पक्षधर है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हमने दलाई लामा संस्था के जारी रहने पर पूज्य दलाई लामा की ओर से आए वक्तव्य से जुड़ी रिपोर्टों को देखा है। भारत सरकार आस्था और धर्म से जुड़ी हुई प्रथाओं और विश्वासों पर कोई मत नहीं रखती और ना ही उन पर कुछ कहती है। भारत सरकार हमेशा से सभी की धार्मिक स्वतंत्रता के सम्मान की पक्षधर है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 14वें दलाई लामा (तेनजिन ग्यात्सो) की ओर से एक बयान आया है। इसमें उन्होंने साफ कहा है कि उनके उत्तराधिकारी यानी 15वें दलाई लामा का चयन केवल तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार होगा और इसमें चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। वहीं चीन चाहता है कि उसके अनुसार अगले दलाई लामा का चयन हो। 600 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा में चीन हस्ताक्षेप करना चाहता है। इस मुद्दे पर केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू का भी बयान आया था। इसके बाद चीन की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई थी जिसमें चेतावनी दी गई थी। हालांकि रिजिजू ने स्पष्ट किया था कि उनका बयान एक बौद्ध अनुयायी के तौर पर था न कि भारत सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर। उन्होंने कहा कि दलाई लामा के अनुयायी चाहते हैं कि वे स्वयं अपने उत्तराधिकारी का चयन करें।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से तबाही : प्रियंका गांधी ने जताया दुख, कहा- मन बहुत व्यथित है

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने हिमाचल प्रदेश में बारिश के कारण बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और कई लोगों के लापता होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं प्रदेशवासियों के सकुशल होने की कामना करती हूं। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और कइयों के लापता होने का समाचार अत्यंत दुखद है। विभिन्न इलाकों में जिस तरह की तबाही की खबरें हैं, उससे मन बहुत व्यथित है। सभी प्रदेशवासियों के सकुशल होने की कामना करती हूं। प्रियंका गांधी ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से प्रभावित लोगों की मदद की अपील की। उन्होंने कहा, ÷स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पूरी मुस्तैदी से राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील है कि प्रभावित लोगों की ज्यादा से ज्यादा मदद करें। इस मुश्किल घड़ी में हम सब हिमाचल प्रदेश के भाई-बहनों के

साथ खड़े हैं। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने और भारी बारिश के कारण तबाही मची हुई है। राज्य के अलग-अलग इलाकों में बादल फटने और बारिश के कारण बड़े पैमाने पर भूस्खलन और फ्लैश फ्लड की घटनाएं हुई हैं। अचानक आई बाढ़ के बाद कई लोग लापता हैं। भारी बारिश और फ्लैश फ्लड से अधिक नुकसान मंडी जिले में हुआ है। बीते मंगलवार को जिले में 16 बार बादल फटने और तीन फ्लैश फ्लड की घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें एक पुल, 24 मकान और एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट प्लांट को नुकसान पहुंचा था। इसके अलावा, मंडी जिले में इस आपदा के कारण 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 29 लोग लापता हैं। मंडी प्रशासन ने आपदा से प्रभावित लोगों के लिए कई राहत शिविर भी बनाए हैं, जिनमें 357 लोगों ने आश्रय लिया है।

लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद है कार्यक्षेत्र का सम्मान : विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली।दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में देशभर के प्रमुख संस्थानों से आए लॉ इंटर्न्स को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक संस्था की स्वतंत्र भूमिका और कार्यक्षेत्र का सम्मान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संतुलन तभी कायम रह सकता है जब कोई भी संस्था दूसरी संस्था के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप न करे, यही लोकतांत्रिक शासन की सुदृढ़ नींव है। गुप्ता ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में निहित है कि राज्य की सभी संस्थाएं एक-दूसरे के विशेषाधिकारों का सम्मान करें और संविधान के दायरे में रहकर काम करें। उन्होंने कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका इन तीनों स्तंभों की मर्यादा बनाए रखना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता के लिए आवश्यक है। अपने संबोधन में गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा के गठन का इतिहास भी साझा किया। उन्होंने बताया कि गुप्ता ने बताया कि दिल्ली विधानसभा का गठन 17 मार्च 1952 को ÷भाग 'सी' राज्य शासन अधिनियम, 1951÷ के तहत हुआ था। इसके बाद 1987 में गठित बालाकृष्णन समिति (सरकारिया समिति) की सिफारिशों के आधार पर दिल्ली में पुनः निर्वाचित विधानसभा की बहाली की दिशा में पहल की गई। इन सिफारिशों के परिणामस्वरूप भारत के संविधान में 1991 में 69वां संशोधन किया गया, जिसके अंतर्गत अनुच्छेद 239एए और 239एबी जोड़े गए और दिल्ली विधानसभा की पुनः स्थापना हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने इंटर्न्स से अपील की कि वे संविधान की मूल भावना को समझें और कानून के क्षेत्र में कार्य करते हुए लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने का प्रयास करें।यह कार्यक्रम विधानसभा के विधान शोध ब्यूरो द्वारा संचालित एक शैक्षणिक पहल का हिस्सा था, जिसके अंतर्गत लॉ इंटर्न्स को दिल्ली विधानसभा के कार्यप्रणाली की जानकारी दी जा रही है। इस मौके पर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी उपस्थित थे।

दिल्ली के तीन बड़े लैंडफिल साइट्स से 28,660 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया : सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि तीन से चार जुलाई के बीच दिल्ली के तीन बड़े लैंडफिल साइट्स से 28,660 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। इसमें भलस्वा लैंडफिल से 15,177 मीट्रिक टन, ओखला लैंडफिल से 4,439 मीट्रिक टन और गाजीपुर लैंडफिल से 9,043 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया।मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि हम दिन-रात दिल्ली की हवा, जमीन और सड़कें साफ करने में जुटे हैं। हर दिन हो रही लैंडफिल की सफाई, हर स्वच्छ हवा वाला दिन इस बात का सबूत है कि हमारे संकल्प और मेहनत का असर हो रहा है।उन्होंने बताया कि तीन से चार के बीच प्रदूषण नियंत्रण और सफाई कार्य के तहत 10,795 मीट्रिक टन कचरे की सफाई, 6,419 किमी सड़कों की मशीनों से सफाई, 1,363 किमी सड़कों पर 748 किलोलीटर ट्रीटेड पानी से छिड़काव और 2,268 मीट्रिक टन निर्माण सामग्री का निस्तारण किया गया। मंत्री ने बताया कि आज लगातार नौवां दिन है जब

दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 'संतोषजनक' श्रेणी में दर्ज किया गया है। आज का एक्यूआई स्तर 78 रहा, जो दर्शाता है कि दिल्ली की हवा साफ हो रही है।

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज पर्यावरण संरक्षण पर आधारित टेरी मास्टर ट्रेनर्स कार्यशाला को संबोधित किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य लोगों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना जगाना और ऐसे मास्टर ट्रेनर्स तैयार करना जो समाज के हर वर्ग में सतत जीवनशैली और वन महोत्सव के तहत पौधारोपण का संदेश ले जा सकें। सिरसा ने कहा कि इस कार्यशाला का मकसद सिर्फ जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि ऐसे प्रशिक्षक तैयार करना है जो इस पर्यावरण को बचाने के लिए जरूरी उपायों को समाज के हर कोने तक पहुंचा सकें।

मोती नगर में फर्जी लूट का पर्दाफाश, दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के मोती नगर थाना पुलिस और स्पेशल स्टाफ की टीम ने एक फर्जी लूट की वारदात का 10 घंटे के भीतर ही पर्दाफाश करते हुए 13 लाख रुपये की नकद राशि बरामद कर ली है। इस मामले में शिकायतकर्ता खुद ही लूट की साजिश का मास्टरमाइंड निकला, जिसने अपने दोस्त के साथ मिलकर योजना बनाई थी। पकड़े गए आरोपितों की पहचान केशवपुरम निवासी सुभाष चंद (22) और महेन्द्रगढ़ हरियाणा निवासी विजयपाल (26) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक 13 जुलाई को मोती नगर थाने में एक कॉल आई जिसमें बताया गया कि एक व्यक्ति से 13 लाख रुपये की लूट कर ली गई है। शिकायतकर्ता सुभाष चंद ने पुलिस को बताया कि वह बैंक से पैसे निकालकर लौट रहा था। तभी एक फ्लाईओवर पर तीन बाइकों पर सवार छह अज्ञात बदमाशों ने उसे चाकू मारकर लूट लिया और फरार हो गए। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू की और एक संयुक्त टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सबसे पहले घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। लेकिन कहीं भी शिकायतकर्ता का पीछा करती कोई बाइक नजर नहीं आई। इसके साथ ही शिकायतकर्ता के शरीर पर चाकू से कथित चोटें बहुत सतही थीं। जिससे पुलिस को संदेह हुआ। जब सुभाष चंद से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने सारी सच्चाई उगल दी। पुलिस पूछताछ में सुभाष चंद ने कबूला कि उसने यह पूरी लूट की कहानी अपने दोस्त विजयपाल के साथ मिलकर गढ़ी थी। जांच में पता चला है कि सुभाष एक ट्रेडिंग कंपनी में अकाउंटेंट के तौर पर पिछले दो साल से काम कर रहा है। वह जुए में 30 लाख रुपये हार चुका था और उसे पैसे लौटाने का दबाव था। इसलिए उसने बैंक से 13 लाख निकालकर राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन पर विजयपाल को सौंप दिए और खुद झूठी लूट की कहानी रच दी। योजना के अनुसार विजयपाल ने रैपिडो बाइक की मदद से धौलाकुआं तक सफर किया और वहां से हरियाणा स्थित अपने गांव भाग गया। पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के गांव बयाल में छापा मारा और विजयपाल को पकड़ लिया। उसके पास से पूरे 13 लाख नकद बरामद किया गया।

संपादक की कलम से

दिखावे की दौड़ में थकती ज़िंदगी

आज का समाज एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ एक तरफ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज एक ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। पहले के समय में संवाद का अर्थ था झ बैठ कर बात करना, साथ हँसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ "टाइप" और "स्क्रॉल" में बदल गया है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष झ सबके हाथ में स्मार्टफोन है और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आँगन या बैठक में होती थीं, आज वो 'स्टेटस अपडेट', 'रील' या 'ट्वीट' में समा गई हैं। जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुँच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है झ अब दोस्त वो हैं जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने "सीन" किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने "स्टोरी" पर साझा किया हो। बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर 'गेमिंग' कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर माँ-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फि ल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है। सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहाँ व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब 'टैग' और 'मेंशन' में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। माँ-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींचकर पोस्ट करते हैं। यह आदत अब लत बन चुकी है झ सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बबार्दी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है। डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफेक्ट ज़िंदगी' का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताओं, सुंदरताओं, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देखकर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं। खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है।

दूसरी ओर, इस प्लेटफॉर्म पर 'फेक आईडेंटिटी' और 'वर्चुअल ग्लैमर' का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं। एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल ज़िंदगी में वह कर्ज. और तनाव से घिरा होता है।

परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा ज़िंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरजरूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं।

इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़कियों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखाकर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं। आज जब हम 'फैक्ट चेकिंग' और 'डिजिटल लिटरेसी' की बात करते हैं, तब यह समझना जरूरी है कि सोशल मीडिया सिर्फ सूचना या मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है झ यह अब हमारी सोच, व्यवहार और संबंधों को गहराई से प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है।

भारत जैसे देश में, जहाँ संयुक्त परिवार की परंपरा रही है, वहाँ सोशल मीडिया ने "संयुक्तता" की भावना को गहराई से चुनौती दी है। लोग अब त्यौहारों में साथ बैठकर मिठाई खाने की बजाय उस मिठाई की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने में लगे रहते हैं। रिश्तों का स्पर्श, संवाद की गर्माहट और एक-दूसरे की मौजूदगी की जो भावना होती थी, वह डिजिटल एल्गोरिद्म के पीछे छिप गई है। यह सच है कि सोशल मीडिया ने कई सकारात्मक चीजें भी दी हैं झ आवाज उठाने का मंच, जागरूकता फैलाने का साधन, और कई मामलों में न्याय की दिशा में जनदबाव बनाने का माध्यम।

लेकिन जब यही साधन साध्य बन जाए, तो समस्या खड़ी होती है।

मानसून में वायरल फीवर या कुछ और? बारिश के मौसम में इन बीमारियों से रहें सावधान

मानसून जहां गर्मी से राहत लेकर आता है, वहीं कई तरह की बीमारियों को भी न्योता देता है. बारिश के इस मौसम में हवा में नमी ज्यादा होती है और आसपास गंदगी या रुका हुआ पानी मच्छरों और बैक्टीरिया के लिए उपयुक्त माहौल बना देता है. नतीजा वायरल फीवर, सर्दी-खांसी, डेंगू, मलेरिया, टायफाइड जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है.

सफदरजंग हॉस्पिटल में मेडिसिन विभाग में डॉ. सुभाष गिरी बताते हैं कि इस मौसम में वायरल फीवर सबसे आम बीमारी मानी जाती है. थकान, बुखार, शरीर में दर्द, गला खराब होना और हल्की खांसी इसके शुरूआती लक्षण हैं. लेकिन इसी तरह के लक्षण मलेरिया और डेंगू में भी पाए जाते हैं, इसलिए वायरल फीवर समझकर नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है. वायरल का बुखार आमतौर पर 35 दिनों में खुद ठीक हो जाता है, लेकिन अगर बुखार लंबे समय तक बना रहे या प्लेटलेट्स गिरने लगें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

इन बीमारियों का भी रहता है खतरा

डेंगू और मलेरिया मानसूनझ की सबसे गंभीर बीमारियों में गिनी जाती हैं. डेंगू मच्छर, दिन में काटता है और मलेरिया फैलाने वाला मच्छर रात में. दोनों ही मामलों में बुखार के साथ सिर दर्द, ठंड लगना, प्लेटलेट्स की संख्या गिरना और शरीर में लाल चकत्ते दिख सकते हैं. बरसात के मौसम में रुके हुए पानी की सफाई और मच्छर भगाने के उपाय बहुत जरूरी हो जाते हैं.

टायफाइड और जलजनित संक्रमणझ भी इस मौसम में तेजी से फैलते हैं. गंदा पानी या खुला खाना खाने से पेट दर्द, दस्त, उल्टी, कमजोरी और तेज बुखार हो सकता है. इसलिए इस मौसम में बाहर का खाना खाने से बचें और पीने का पानी उबालकर पिएं. सड़क किनारे मिलने वाले कटे फल या चाट जैसे खाने की चीजें संक्रमण का बड़ा कारण बन सकती हैं. फंगल इन्फेक्शन भी मानसून में आम हो जाता है. ज्यादा पसीना और नमी वाले कपड़े फंगल ग्रोथ के लिए मुफीद माहौल बना देते हैं. खासकर जिन हिस्सों में त्वचा आपस में सटती है जैसे गर्दन, अंडरआर्म्स या पैर की उंगलियों के बीच, वहां संक्रमण जल्दी होता है. हल्की खुजली को नजरअंदाज न करें और त्वचा को सूखा रखें. मानसून में बीमारियों से बचने के लिए कुछ सावधानियां बेहद जरूरी हैं. हाथों को बार-बार साबुन से धोएं. साफ पानी पीएं और खाने से पहले हाथ जरूर साफ करें

बारिश का कहर: प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

ललित गर्ग

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में ह्यऑल वेदर रोडह्ल, हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु

परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं- अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नजर जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवजे की घोषणाएं, और ह्यहम साथ हैंह्ल जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर जमीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो।

वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य जमीनी जरूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल जिम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी।

बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

बिहार चुनाव से चर्चा में आया एनआरसी

राजेश माहेश्वरी

केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले छह राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पूरे देश में एनआरसी जैसी प्रक्रिया लागू करने की तैयारी हो रही है। उन्होंने इसे देश के लोकतंत्र के लिए खतरनाक और अलार्मिंग करार दिया। ममता ने कहा कि यह फिलहाल बिहार में लागू किया गया है, लेकिन साफ है कि इसे देश के हर राज्य में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके पीछे असली निशाना बंगाल है, क्योंकि वे (भाजपा) प्रवासी मजदूरों और गरीब वोटरों से डरते हैं। विपक्ष चिल्ल-पौं कर रहा है कि उसके वोट बैंक के कई नाम सूचियों से काटे जा सकते हैं और भाजपा-समर्थक नाम जोड़े जा सकते हैं। क्या चुनाव आयोग इतनी घालमेल कर सकता है कि भाजपा की ही सरकार बने, तो देश के कई राज्यों में कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, झामुमो और वामदलों की सरकारें क्यों और किस आधार पर हैं? ये जवाब विपक्ष नहीं देगा। मालूम हो कि चुनाव आयोग बिहार व बंगाल समेत छह राज्यों में विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान शुरू करने जा रही है। इसका उद्देश्य अवैध विदेशी नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटाकर एक सटीक और विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए यह प्रक्रिया बिहार से शुरू की जा रही है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदान कराने से पूर्व मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और संशोधन के विशेषाधिकार प्राप्त हैं। यह कवायद हर लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले की जाती रही है। विपक्ष की कुछ दलीलें सार्थक हैं कि आयोग बिहार में 2003 के बाद बने मतदाताओं के सत्यापन करना चाहता है और यह संख्या करीब 5 करोड़ है, क्या यह कवायद मात्र 25 दिन में पूरी की जा सकती है? इसे नागरिकता की पात्रता का भी साक्ष्य माना गया है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण ह्लपिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदमह्ल है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाते हुए एक्स पर लिखा, "निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है।" जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और एमआईएम नेता-सांसद ओवैसी के आरोप हैं कि भारत सरकार चोरी-छिपे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करना चाहती है, नतीजतन मुसलमानों की एक अवांछित आबादी की नागरिकता रद्द की जा सकेगी। ममता बनर्जी ने बंगाल में एनआरसी लागू नहीं करने की घोषणा भी की है। नागरिकता का यह विवादित मुद्दा पुराना है। सर्वोच्च अदालत की निगरानी में असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में, प्रयोग के स्तर पर, एनआरसी की कवायद की गई थी। दरअसल यह न तो असंवैधानिक अभियान है और न ही मुसलमानों की नागरिकता रद्द की जा रही है।

किसी भी सरकार को नागरिकता छीनने का अधिकार नहीं है। यह सर्वोच्च अदालत के स्तर पर कई बार दोहराया जा चुका है। गौरतलब यह भी है कि भारत सरकार ने एनआरसी का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। फिलहाल जनगणना और जातीय गणना के विराट अभियान सामने हैं, जिन्हें मार्च-अप्रैल, 2027 तक पूरा करने के लक्ष्य तय किए गए हैं। वैसे एनआरसी जनगणना का ही एक प्रारूप है। यदि जनगणना पर आपत्ति नहीं है, तो एनआरसी पर चीखा-चिल्ली क्यों मचाई जा रही है? दरअसल हमारा विषय यह है कि एक औसत भारतीय की नागरिकता के तय मानक क्या हैं? यह देश अधिकतर गांवों, पिछड़े इलाकों और बाढ़-बारिश से ग्रस्त क्षेत्रों में बसने को बाध्य है। नागरिकता के लिए कई दस्तावेज अपेक्षित हैं, जिन्हें पेश करना मुश्किल है। उन संदर्भों में अहम सवाल है कि आधार कार्ड नागरिकता का पात्र, मानक आधार क्यों नहीं है? जनवरी, 2009 में तत्कालीन मनमोहन सरकार ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण का गठन किया था और इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि को उसका प्रथम अध्यक्ष बनाया गया था। आधार कार्ड सितंबर, 2010 में लागू हो गया। आज देश के 125 करोड़ से अधिक लोगों के पास आधार कार्ड है। उसमें नाम, पिता का नाम, जन्म-तिथि, पता और व्यक्ति के बॉयोमीट्रिक चिह्न आदि सब कुछ दर्ज हैं। प्राधिकरण के नाम में भी पहचान शब्द जुड़ा है। आज आयकर रिटर्न, बैंक खाते के संचालन, सरकार की विशेष सामाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं का लाभ, बच्चों का स्कूल में दाखिला, म्यूचुअल फंड्स अथवा शेयर बाजार में निवेश करने, सिम कार्ड खरीदने, नौकरी में प्रवेश करते समय आधार कार्ड का प्रस्तुतीकरण अनिवार्य है। सरकार ने पैन कार्ड और बैंक खातों को आधार से अनिवार्य तौर पर लिंक करा दिया है। अब मतदाता पहचान पत्र को भी आधार कार्ड से जोड़ने पर विचार किया जा रहा है। यदि आधार कार्ड इतना महत्वपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज है, तो उसके आधार पर किसी की नागरिकता तय करने में क्या दुविधा है? मतदाता कार्ड भी अत्यंत मौलिक, साक्ष्य वाला दस्तावेज है। उसे नागरिकता का आधार मानक क्यों नहीं माना गया है?

सरकार दलीलें देती रही है कि आधार कार्ड और मतदाता कार्ड एक निश्चित गिरोह द्वारा फर्जी बनाए जाते रहे हैं। यह सरकार की ही नाकामी है। फर्जी और नकली तो पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड भी बन रहे हैं। नकली पहचान बना कर आतंकवादी संसद भवन में घुस गए थे। सरकार इन नकलबाजों को क्यों नहीं रोक पाई है? यह सरकार के लिए गंभीर चुनौती भी है। देश में करोड़ों घुसपैठिया बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान व्याप्त हैं, दशकों से सक्रिय हैं, उनके पास फर्जी कार्ड भी होंगे, वे वोट बैंक भी हैं, कमोबेश भाजपा-एनडीए सरकार उन्हें देश से बाहर क्यों नहीं कर पाई?

पैरेंटिंग 2.0: तकनीक और ममता के बीच पुल बनते माता-पिता

जब एक बच्चे की मासूम आँखों में दुनिया की पहली किरण झलकती है, तो उसकी नजरें माता-पिता का चेहरा नहीं, बल्कि उनके अथाह प्यार, उनकी गर्माहट और उनकी अनंत उम्मीदों का सागर देखती हैं। यह वह पल है, जब एक नन्हा दिल धड़कना शुरू करता है, और माता-पिता का हर शब्द, हर स्पर्श, उस कोरे मन की किताब पर अमिट स्याही बनकर उतरता है। लेकिन आज का दौर वह नहीं, जहाँ केवल लोरियों की मिठास या परियों की कहानियों का जादू बच्चे का भविष्य संवार सकता है। यह युग डिजिटल चमक, सूचनाओं के तूफान और जटिल रिश्तों का है। यहाँ पेरेंटिंग अब सिर्फ.पालन-पोषण नहीं, बल्कि एक ऐसी कला है, जो बच्चों को तकनीक की चकाचौंध और मानवीय संवेदनाओं के बीच संतुलन का पाठ पढ़ाती है। यह एक अनमोल सफर है, जहाँ माता-पिता न केवल मार्गदर्शक, बल्कि सहयात्री बनकर बच्चों के साथ कदम मिलाते हैं–सीखते, समझते और एक नई दुनिया को गढ़ते हुए। आज के बच्चे डिजिटल युग के सच्चे सिपाही हैं, जिनका जन्म ही स्क्रीनों की चमक और सूचनाओं के सैलाब के बीच हुआ है। यूनिसेफ इंडिया (2023) के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 6-14 वर्ष के 71% बच्चे रोजाना स्मार्टफोन से जुड़े रहते हैं, औसतन 3-4 घंटे स्क्रीन की दुनिया में खोए रहते हैं। यूट्यूब उनकी पाठशाला है, सोशल मीडिया उनका मंच, और वर्चुअल दुनिया उनकी पहचान का आईना। लेकिन इस चकाचौंध के पीछे छुपा है एक अदृश्य खतरा–साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शोषण, और स्क्रीन की लत का जाल। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एनसीबीआई, 2024) के शोध के अनुसार, 10-18 वर्ष के 28% किशोरों ने ऑनलाइन उत्पीड़न का दंश झेला है, और 35% स्क्रीन की अतिशयता से तनाव और चिंता के शिकार हुए हैं। ऐसे में माता-पिता की भूमिका अब केवल नियमों की चौकीदारी तक सीमित नहीं। उन्हें एक भावनात्मक पथप्रदर्शक बनना है–जो स्क्रीन की ठंडी चमक के पीछे छुपे बच्चे के डर, असुरक्षा और अनकहे सपनों को न केवल समझे, बल्कि उनके साथ कदम से कदम मिलाकर एक सुरक्षित और प्रेरणादायक भविष्य का निर्माण करे। पेरेंटिंग अब आदेशों का शोर नहीं, बल्कि संवाद का सौम्य संगीत है। वह दौर लद गया, जब डाँट और नसीहत से बच्चे का रास्ता बन जाता था। आज का बच्चा भरोसे की गर्माहट और खुले दिल की तलाश में है। प्यू रिसर्च सेंटर (2024) के एक सर्वे में 62% किशोरों ने खुलासा किया कि वे अपने माता-पिता के साथ दिल खोलकर बात करना चाहते हैं, मगर केवल 29% को लगता है कि उनकी भावनाओं को सही मायने में समझा जाता है। यह आँकड़ा एक गहरी सच्चाई को उघाड़ता है–बच्चों को सुनने और समझने की जरूरत अब पहले से कहीं ज्यादा है। माता-पिता को हर सवाल का जवाब थोपने के बजाय, बच्चों को सवाल उठाने की हिम्मत देनी होगी। उदाहरण के लिए, अगर बच्चा सोशल मीडिया के किसी ट्रेंड के पीछे भागना चाहता है, तो उसे डाँटने के बजाय, प्यार से समझाना होगा कि वह ट्रेंड क्यों भटकाने वाला हो सकता है। यह प्रक्रिया न सिर्फ. बच्चे की तार्किक सोच को जागृत करती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी आसमान की ऊँचाइयों तक उड़ान देती है। डिजिटल साक्षरता अब पेरेंटिंग का अभिन्न अंग है, एक ऐसी कला जो आज के युग में अपरिहार्य है। बच्चे एआई से सवाल पूछते हैं, गेमिंग प्लेटफॉर्म पर दोस्त बनाते हैं, और ऑनलाइन अपनी पहचान की तलाश में भटकते हैं। मगर इस चमकती वर्चुअल दुनिया में वे अक्सर अकेलेपन, तुलना के दबाव, और आत्मसम्मान की चुनौतियों के भँवर में फँस जाते हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (2023) के एक अध्ययन ने खुलासा किया कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में आत्मसम्मान 20% तक घट जाता है। ऐसे में माता-पिता को बच्चों को न केवल डिजिटल साक्षरता, बल्कि भावनात्मक परिपक्वता का पाठ भी पढ़ाना होगा। इसका अर्थ है–ऑनलाइन सामग्री की सत्यता को परखना, साइबर सुरक्षा के गुर सिखाना, और स्क्रीन टाइम का संतुलन बनाना। माता-पिता को बच्चों की ऑनलाइन दुनिया में सहयात्री बनना होगा, खुली चर्चा के जरिए उनके अनुभवों को समझना होगा। मिसाल के तौर पर, अगर बच्चा यूट्यूब पर कोई वीडियो देख रहा है, तो माता-पिता उस कंटेंट पर बात शुरू कर सकते हैं, यह पूछते हुए कि उसने उससे क्या सीखा। यह न सिर्फ. बच्चे की आलोचनात्मक सोच को निखारता है, बल्कि माता-पिता के साथ उनके रिश्ते को भी अटूट विश्वास की डोर से बाँधता है।आज के माता-पिता को एक सखा की तरह होना होगा–वह साथी, जो बच्चे को न केवल चलना सिखाए, बल्कि गिरकर उठने का साहस भी दे। उन्हें हर सवाल का जवाब थोपने के बजाय, सही सवाल पूछने की कला सिखानी होगी। पेरेंटिंग अब महज मार्गदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवंत संवाद है, जहाँ माता-पिता और बच्चा कंधे से कंधा मिलाकर सीखते हैं।

मोदी ने त्रिनिदाद व टोबैगो के राष्ट्रपति से की मुलाकात

पोर्ट आफ स्पेन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की अपनी दो दिन की यात्रा के दूसरे दिन यहां राष्ट्रपति भवन में त्रिनिदाद एवं टोबैगो गणराज्य की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मुलाकात की।प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति कंगालू को भारत आने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी से भरी इस भेंट में दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता की पुष्टि हुई। प्रधानमंत्री ने उन्हें तथा उनके प्रतिनिधिमंडल को दिए गए शानदार आतिथ्य के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा 'ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एवं टोबैगो' प्रदान किए जाने के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हुए इसे भारत के 1.4 अरब लोगों का सम्मान बताया। श्री मोदी ने राष्ट्रपति कंगालू को इस वर्ष प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी तथा उनकी विशिष्ट सार्वजनिक सेवा के लिए उनकी सराहना की। राष्ट्रपति कंगालू ने भारत के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व तथा दूरदृष्टि की सराहना की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मजबूत जन-जन संबंधों पर अपने विचार प्रकट किये। प्रधानमंत्री ने दक्षिणी देशों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए त्रिनिदाद एवं टोबैगो तथा कैरीकॉम को भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया।

दक्षिणी दुनिया के देश अब विश्व मंच पर उभर रहे हैं: मोदी

पोर्ट आफ स्पेन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दक्षिणी दुनिया के देश अब विश्व मंच पर उभर रहे हैं और वह एक अधिक न्याय पूर्ण वैश्विक व्यवस्था देखना चाहते हैं। श्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत-दक्षिण के देश के हितों को हमेशा प्राथमिकता देता रहेगा। श्री मोदी यहां त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सांसद के विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे जो उनके सम्मान में आयोजित किया गया था। श्री मोदी ने कहा,हम अपने विकास को दूसरों के प्रति जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं और हमारी प्राथमिकता हमेशा वैश्विक दक्षिण रहेगी। उन्होंने कहा वैश्विक दक्षिण उभर रहा है। दक्षिण के देश एक नई और अधिक न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था देखना चाहते हैं। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की सीनेट के अध्यक्ष वेड मार्क और जन प्रतिनिधियों के सदन के अध्यक्ष जगदेव सिंह के निमंत्रण पर श्री मोदी ने संसद की संयुक्त सभा को संबोधित किया। वह इस कैरेबियाई देश की संसद को संबोधित करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं । यह अवसर भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर के रूप में देखा जा रहा है है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सदस्यों को विशेष शुभकामनाएं दीं।

अमेरिकी एनजीओ ने नए विधेयक को लेकर ट्रम्प पर मुकदमा चलाने का संकल्प लिया

मैनहटन। अमेरिका में यौन स्वास्थ्य सेवा प्रदाता गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'प्लांड पैरेंटहुड' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के वन बिग ब्यूटीफुल विधेयक के पारित होने पर उन पर मुकदमा करेगा । संगठन के अध्यक्ष और सीईओ एलेक्सिस मैकगिल जॉनसन ने बुधवार को इस बिल की निंदा करते हुए इसे गैरकानूनी और संगठन और उसके रोगियों पर लक्षित हमला बताया। उन्होंने एक बयान में कहा, हर किसी को उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का हक है। हम पिछली सदी से इसी के लिए लड़ रहे हैं और हम कभी नहीं रुकेंगे। उन्होंने कहा, हम इस गैरकानूनी हमले को रोकने के लिए ट्रम्प प्रशासन पर मुकदमा करेंगे। हमारी मुलाकात अदालत में होगी। ट्रम्प द्वारा समर्थित और हस्ताक्षरित नया विधेयक कराधान पर अपनी नीति और सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क में कटौती के कारण बड़े विवाद का विषय रहा है। इसे गुरूवार को 218-214 से पारित किया गया। इस विधेयक के प्रावधानों के तहत गर्भपात की पेशकश करने वाले प्रदाताओं को किसी भी अन्य प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के लिए मेडिकेड फंडिंग स्वीकार करने से रोका जाएगा, भले ही उस देखभाल का भुगतान निजी तौर पर या सरकारी माध्यम से किया गया हो। एनजीओ की अन्य गैर-गर्भपात प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं में जन्म नियंत्रण और गर्भनिरोधक, यौन संचारित संक्रमणों (एसटीआई) के लिए परीक्षण और उपचार, जीवन रक्षक कैंसर जांच (पैप स्मीयर, स्तन परीक्षण), गर्भावस्था परीक्षण और प्रसवपूर्व देखभाल रेफरल और महिला जांच शामिल हैं।

प्रदूषण के सुरक्षित स्तर पर माने जानी वाली हवा से भी दिल के दौरे का खतरा

न्यूयॉर्क। प्रदूषण के सुरक्षित स्तर पर माने जानी वाली हवा(लो ग्रेड) भी धीरे-धीरे दिल की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकती है जो बाद में दिल के दौरे का कारण बन सकता है। वैज्ञानिकों ने उन्नत एमआरआई स्कैन की रिपोर्ट के आधार पर किये गये नये शोध में कहा है कि इस स्तर के वायु प्रदूषण के संपर्क में देर तक रहने वाले लोगों की दिल की मांसपेशियों में निशान पड़ने के शुरुआती लक्षण दिखायी दिए। अध्ययन के अनुसार, प्रदूषित हवा - भले ही वह 'सुरक्षित' मानी जाने वाली मात्रा में हो, दिल को चुपचाप नुकसान पहुंचा सकती है और यह समय के साथ दिल के दौरे का कारण बन सकती है। यह नुकसान स्वस्थ व्यक्तियों और हृदय रोग से पीड़ित लोगों दोनों में देखा गया। विशेष रूप से महिलाओं, धूम्रपान करने वालों और उच्च रक्तचाप वाले लोगों में इसे देखा गया। रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएसएनए) की पत्रिका 'रेडियोलॉजी' में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार कार्डिएक एमआरआई का उपयोग करने वाले शोधकर्ताओं ने पाया है।

गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर बातचीत सकारात्मकः हमास का दावा

एजेंसी

गाजा । हमास के अनुसार उसने गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर मध्यस्थों को सकारात्मक जवाब दिया है। बयान में कहा गया, ÷हमास ने गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ जारी हमलों को रोकने के लिए मध्यस्थों के नए प्रस्ताव पर फिलिस्तीनी गुटों और फोर्सेज के साथ विचार-विमर्श कर लिया है। हमास ने अपना जवाब मध्यस्थों को सौंप दिया है, जो सकारात्मक रहा। साथ ही दावा किया कि हमास इसे लागू करने की प्रक्रिया पर तुरंत गंभीरता से काम करने को भी तैयार है। इस बीच, मामले से जुड़े एक सूत्र नेको बताया कि हमास का जवाब ज्यादातर उस नए प्रस्ताव के अनुरूप है, जिसे कतर और मिस्र की मध्यस्थता में तैयार किया गया है। इसे संशोधित विटकॉफ योजना कहा जा रहा है। हमास के नेतृत्व के

करीबी एक सूत्र के मुताबिक, हमास ने मौजूदा मसौदे में कुछ छोटे-मोटे बदलावों का सुझाव दिया है, लेकिन इससे प्रस्ताव की मुख्य बातों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

मानवीय सहायता को लेकर सूत्र ने बताया कि हमास ने कहा, बेकरी, अस्पतालों और अन्य जरूरी सेवाओं को बेरोक-टोक चलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में मदद पहुंचाई जानी चाहिए। सूत्र ने आगे कहा, हमास की मांग है कि मानवीय सहायता तटस्थ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संगठनों के जरिए पहुंचाई जाए, जिनमें संयुक्त राष्ट्र, रेड क्रेसेंट और अन्य संबंधित एजेंसियां शामिल हैं।सूत्र ने बताया, हमास वापसी की प्रक्रिया से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर चर्चा के लिए तैयार है, जब तक कि समग्र रूपरेखा बरकरार रहती है। बातचीत की अवधि और निरंतरता के बारे में सूत्र ने कहा, ÷हमास वार्ता के लिए 30 या 60 दिन के विशिष्ट विस्तार की मांग नहीं कर रहा है।

इसके बजाय, हमास का मानना है कि वार्ता 60 दिन की अवधि से आगे भी जारी रहनी चाहिए, जब तक कि एक पारस्परिक और व्यापक समझौता नहीं हो जाता। सूत्र ने हमास की ओर से दिए गए जवाब को सकारात्मक बताते हुए कहा कि यह बातचीत करने वाले पक्षों के बीच अंतर को कम करने में योगदान दे सकता है। हमास का वर्तमान रुख एक हद तक लचीलापन दिखाता है। यह संकेत देता है कि वह मध्यस्थों के जरिए गंभीर बातचीत के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना पहुंचे, 57 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा

एजेंसी

यूनस आयर्स । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंत्रण पर अर्जेंटीना की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य वैश्विक दक्षिण के साथ भारत के जुड़ाव को मजबूत करना और दक्षिण अमेरिकी देश के साथ संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना है। एजीजा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके आगमन पर औपचारिक स्वागत किया गया। यह 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की अर्जेंटीना की पहली द्विपक्षीय यात्रा है, इसलिए यह ऐतिहासिक है। अर्जेंटीना पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, द्विपक्षीय यात्रा के लिए ब्यूनस आयर्स पहुंचा हूं, जिसमें अर्जेंटीना के साथ संबंधों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मिलने और उनके साथ विस्तृत बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा, स्थायी मित्रता का जश्न मनाते हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधिकारिक यात्रा पर अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स पहुंचे हैं। हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया। यह 57 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की अर्जेंटीना की पहली द्विपक्षीय यात्रा है, जो भारत-अर्जेंटीना संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ती है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति जेवियर मिली के निमंत्रण पर अर्जेंटीना पहुंचे हैं। दोनों नेताओं के बीच आखिरी मुलाकात नवंबर 2024 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले 2018 में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अर्जेंटीना जा चुके हैं।

नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी नागरिक को एसएसबी ने दबोचा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब एक दर्जन पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ करने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

एसएसबी के कमांडेंट ने बताया कि नेपाल में पिछले कई दिनों से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक अहमद सैयद इकबाल को उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वह भारत में अवैध रूप से घुसपैठ का प्रयास कर रहा था। उसके पास से मिले पासपोर्ट में 22 जून को नेपाल के आने का स्टांप लगा हुआ है। यानी कि करीब 10 दिनों से वह भारत में घुसपैठ की फिराक में था। कमांडेंट ने बताया कि यह बांग्लादेशी नागरिक गलती से या रोजगार के चक्कर में भारत में प्रवेश

की कोशिश नहीं कर रहा था, बल्कि इसका मकसद कुछ और ही लग रहा है। एसएसबी के पास इस बात की खुफिया जानकारी है कि नेपाल के सीमा क्षेत्र में करीब एक दर्जन पाकिस्तानी और बांगालदेशी नागरिक मौजूद हैं, जो भारत में आतंकी योजना के साथ घुसपैठ की तैयारी में हैं। इस खुफिया सूचना के मिलने के साथ ही एसएसबी ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया है और सतर्कता बढ़ा दी है। नेपाल पुलिस के साथ मिल कर घुसपैठ को रोकने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने उत्तरी वजीरिस्तान में अफगान सीमा से आतंकियों की घुसपैठ रोकी, 30 को किया ढेर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने उत्तरी वजीरिस्तान में अफगान सीमा से आतंकियों की घुसपैठ को विफल कर दिया। जवानों ने इस दौरान ताबड़तोड़ गोलीबारी कर 30 आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों का संबंध तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से बताया गया है।

डॉन अखबार की खबर के अनुसार, सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) आज सुबह बताया कि यह सफलता खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के हसन खेल तहसील में मिली है। सेना ने यहां पाकिस्तान-अफगान सीमा के जरिए घुसपैठ की कोशिश कर रहे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 30 आतंकवादियों को मार गिराया । आईएसपीआर के अनुसार, पिछले साल जुलाई में सरकार ने टीटीपी को प्रतिबंधित

करते हुए फितना अल खवारिज नाम दिया था। मारे गए आतंकवादियों के पास से बड़ी संख्या में हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किया गया है। आईएसपीआर ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों सतर्कता और तत्परता की सराहना की।

एक और दल ने छोड़ा प्रधानमंत्री ओली का साथ, समर्थन वापसी की घोषणा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को समर्थन दे रहे एक और दल नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने समर्थन वापसी का फैसला लेकर उनका साथ छोड़ दिया है। अभी कुछ दिन पहले ही जनता समाजवादी पार्टी ने सरकार से समर्थन वापसी का फैसला लिया था। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी की केंद्रीय समिति की हुई बैठक हुई, जिसके बाद पार्टी की अध्यक्ष रंजिता श्रेष्ठ ने पत्रकारों को बताया कि केंद्र की ओली सरकार और सुदूर पश्चिम की प्रदेश सरकार को दिए जा रहे समर्थन को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। गुरुवार को नेकपा एमाले के नेतृत्व वाली सुदूर पश्चिम सरकार में नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के एक मंत्री को मुख्यमंत्री कमल शाह ने बर्खास्त कर दिया था, जिसके बाद यह फैसला

लिया गया है। रंजिता श्रेष्ठ ने बताया कि उनकी पार्टी के मंत्री को बिना केंद्र की अनुमति के बर्खास्त नहीं किया गया होगा, इसलिए प्रदेश सरकार के साथ-साथ ओली सरकार को भी दिए जा रहे समर्थन को वापस लिया गया है। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के चार सांसद हैं। इनमें से एक सांसद अरुण चौधरी ओली सरकार में पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री हैं। पार्टी की तरफ से उन्हें भी इस्तीफा देने का निर्देश दिया गया है। यह दूसरी पार्टी है जिसने ओली सरकार से समर्थन वापस लिया है। इससे पहले सरकार को बाहर से समर्थन दे रही जनता समाजवादी पार्टी ने भी अपना समर्थन वापस लेने की घोषणा की थी। इस पार्टी के पास पांच सांसद प्रतिनिधि सभा में और तीन सांसद राष्ट्रीय सभा में है। जनता समाजवादी पार्टी की तरफ से समर्थन वापस लिए जाने के साथ ही ओली सरकार राष्ट्रीय सभा में अल्पमत में आ गई है, जबकि प्रतिनिधि सभा में उन्हें दो तिहाई के करीब बहुमत है।

तुर्की में विपक्षी पार्टी के 45 सदस्य भ्रष्टाचार के आरोपो में गिरफ्तार

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्की के पश्चिमी बंदरगाह शहर इज़मिर में भ्रष्टाचार के आरोपों में विपक्षी पार्टी के 45 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एनटीवी प्रसारक ने यह जानकारी दी। इस बीच रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) ने कल सोशल मीडिया मंच 'एक्स'

पर घोषणा की कि गिरफ्तार किए गए लोगों में इज़मिर के पूर्व मेयर टुनक सोयर और पार्टी के इज़मिर प्रांतीय अध्यक्ष सेनोल असलानोग्लू भी शामिल हैं। इज़मिर के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय ने मंगलवार को इस बाबत हिरासत वारंट जारी किए थे जिसके बाद ही ये गिरफ्तारियाँ हुईं। गिरफ्तार लोगों में सीएचपी और सीएचपी के नेतृत्व वाली इज़मिर नगर पालिका से जुड़े 157 व्यक्तियों के खिलाफ सार्वजनिक निविदाओं में हेराफेरी, अनुबंध निष्पादन में कर्तव्य का उल्लंघन और गंभीर धोखाधड़ी जैसे आरोप लगाए गए हैं। गौरतलब है कि मार्च में इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोग्लू और नगर पालिका के लगभग 100 अधिकारियों को भ्रष्टाचार के आरोप में हिरासत में लिया गया था। श्री इमामोग्लू ने हालांकि इन सभी आरोपों से इनकार किया था। लेकिन बाद में उन्हें पद से निलंबित कर दिया गया था।

कैरिबियाई देशों से संबंधों को मजबूत बनायेगा भारत, त्रिनिदाद-टोबैगो के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर

एजेंसी

पोर्ट ऑफ स्पेर्न। भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो ने जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और साइबर सुरक्षा क्षेत्र की समसामयिक चुनौतियों से मिलकर निपटने के लिए सहयोग बढाने तथा भारत-कैरिकॉम साझेदारी को अधिक मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की है। त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रात प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह बात कही। उनकी वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच फार्मा, ऊर्जा , संस्कृति और खेल आदि क्षेत्रों में सहयोग बढाने के छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के लोगों को त्रिनिदाद

एवं टोबैगो द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन एवं एकजुटता की सराहना की। बाद में एक बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष ग्लोबल साउथ के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने और भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमत हुए। वार्ता के बाद फार्माकोपिया, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं, संस्कृति, खेल, राजनयिक प्रशिक्षण और हिंदी एवं भारतीय अध्ययन के लिए आईसीसीआर चेयर के क्षेत्रों में छह समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। त्रिनिदाद एवं टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड की पेशकश सहित द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स, डिजिटल परिवर्तन, यूपीआई, क्षमता निर्माण, संस्कृति, खेल और लोगों के बीच संबंधों सहित संभावित सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री बिसेसर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच गहरे द्विपक्षीय संबंधों को फिर से मजबूत करेगी। दोनों नेताओं ने आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' बना अमेरिका में नया कानून, ट्रंप ने विधेयक पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वन बिग ब्यूटीफुल बिल पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ अब यह बिल एक कानून बन गया है। यह बिल प्रतिनिधि सभा के पारित किए जाने के एक दिन बाद आया, जिससे राष्ट्रपति ट्रंप के ऐतिहासिक कानून को अंतिम स्वीकृति मिल गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह में ट्रंप ने कहा, मैंने कभी देश में लोगों को इतना खुश नहीं देखा क्योंकि कई अलग-अलग वर्गों के लोग अब सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इनमें सेना, आम नागरिक और विभिन्न प्रकार की नौकरियों से जुड़े लोग शामिल हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने साउथ डकोटा से रिपब्लिकन सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून और लुइसियाना से रिपब्लिकन हाउस स्पीकर माइक जॉनसन को सराहा, जिन्होंने इस विधेयक को कांग्रेस के दोनों सदनों से पारित कराने में अहम भूमिका निभाई है। ट्रंप ने कहा, वह दोनों एक ऐसी टीम हैं, जिसे हराया नहीं जा सकता। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने इस विधेयक को उन सभी नीतियों का सार बताया, जिन पर राष्ट्रपति ने चुनाव लड़ा और जिनके पक्ष में जनता ने मतदान किया था। उन्होंने इसे अमेरिकी जनता के लिए एक विजयी दिन बताया है। हाउस रिपब्लिकन ने टैक्स में भारी कटौती, संघीय खर्च में कटौती, पेंटागन और बॉर्डर सिक्योरिटी के लिए फंडिंग बढ़ाने वाले ट्रंप के विशाल पैकेज को मंजूरी देने के लिए मतदान किया, जिससे यह विधेयक पारित हो गया। इससे पहले इसी सप्ताह सीनेट ने भी इस बिल को पास कर दिया था। ट्रंप ने वन बिग ब्यूटीफुल बिल की तारीफ की। उन्होंने इसे अमेरिका के नए स्वर्ण युग की शुरुआत बताया। ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में रिपब्लिकन ने %वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट% पारित किया है। हमारी पार्टी पहले से कहीं अधिक एकजुट है। हम व्हाइट हाउस में शनिवार शाम 4 बजे एक साइनिंग सेरेमनी का आयोजन करेंगे। सभी कांग्रेस सदस्यों और सीनेटर्स को आमंत्रित किया गया है। हम एक साथ अपने राष्ट्र की स्वतंत्रता और हमारे नए स्वर्ण युग की शुरुआत का जश्न मनाएंगे। उन्होंने आगे कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका के लोग पहले से कहीं अधिक समृद्ध, सुरक्षित और गौरवान्वित होंगे।

यूनान के जंगल में लगी भीषण आग बेकाबू

एथेंस। यूनान (ग्रीस) की राजधानी एथेंस के पास के जंगलों में लगी भीषण आग ने विकराल रूप ले लिया है, जिसे बुझाने के प्रयास में वायुसेना के विमानों से आसमान से पानी गिराया जा रहा है। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैल रही है, जिससे आसपास के कई आवासीय इलाकों को खतरा पैदा हो गया है और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकाला गया है। आग की लपटें इतनी ऊंची उठ रही हैं कि उन्हें दूर से ही देखा जा सकता है, और धुएं का गुबार आसमान में छा गया है। यूनान के अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए दर्जनों दमकलकर्मी, स्वयंसेवक और वायुसेना के विमान लगातार काम कर रहे हैं। हालांकि, शुष्क मौसम और तेज हवाएं आग बुझाने के प्रयासों को और चुनौतीपूर्ण बना रही हैं। कई घरों को नुकसान पहुंचा है और कुछ पूरी तरह जलकर खाक हो गए हैं, जिससे संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और निकासी आदेशों का पालन करने की अपील की है। आपातकाल की स्थिति, यूरोपीय संघ से मदद की अपील यूनान सरकार ने आग की भयावहता को देखते हुए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। यूरोपीय संघ के आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र से भी मदद मांगी गई है, जिसके तहत अन्य यूरोपीय देशों से दमकल विमान और अतिरिक्त अग्निशमन दल भेजने का अनुरोध किया गया है। यह आग यूनान के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है।

टेक्सास में बाढ़ ने ली 13 लोगों की जान, 20 से अधिक बच्चे लापता

एजेंसी

ह्यूस्टन । सेंट्रल टेक्सास में भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक बच्चे लापता हो गए। ये बच्चे ग्वाडालूप नदी के किनारे समर कैंप में भाग लेने के लिए गए थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास के लेफ्टिनेंट गवर्नर डैन पैट्रिक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि टेक्सास के एक प्राइवेट क्रिश्चियन समर कैंप मिस्टिक में लगभग 23 बच्चे अभी भी लापता हैं। इस कैंप में लगभग 750 बच्चे रहते हैं। उन्होंने कहा कि कम से कम 14 हेलीकॉप्टर, 12 ड्रोन और 500 से ज्यादा लोग कैंप के आसपास खोज अभियान चला रहे हैं और कई वयस्कों और बच्चों को बचाया गया है। केर काउंटी के शेरिफ लैरी लेइथा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस भीषण बाढ़ के कारण काउंटी में कम से कम 13 लोगों की मौत हुई है और कई लोग अभी भी लापता हैं। लेइथा ने कहा कि उन्हें आशंका है कि काउंटी में और भी मौतें दर्ज की जा सकती हैं। केरविले सिटी मैनेजर

डाल्टन राइस ने कहा, ÷हम अभी भी सक्रिय रूप से उन लोगों की तलाश कर रहे हैं जो बाहर हैं और जिन्हें मदद की जरूरत है। स्थानीय समयानुसार सुबह 4 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 9 बजे) नेशनल वेदर सर्विस ने फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी है और नदी के किनारे रहने वाले निवासियों और कैंप में रहने वालों के मोबाइल फोन पर आपातकालीन अलर्ट भी भेजा है। सर्विस ने यह भी चेतावनी दी कि ग्वाडालूप नदी में पानी की एक और बड़ी लहर आगे बढ़ रही है, जिससे बाढ़ की स्थिति और घातक हो सकती है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि ग्वाडालूप नदी का जलस्तर केर काउंटी में रातों रात रात 7.5 फीट (लगभग 2.3 मीटर) से बढ़कर लगभग 30 फीट तक पहुंच गया है और शुक्रवार दोपहर को स्प्रिंग ब्रांच में इसके 34 फीट तक पहुंचने की उम्मीद है। ऑनलाइन वीडियो में देखा जा सकता है कि काउंटी में ग्वाडालूप नदी के तेजी से बढ़ने के कारण कारें, कैंपर और मोबाइल घर बह गए। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने एक्स पर कहा कि राज्य बाढ़ से निपटने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता तत्काल लोगों की जान बचाना है। बता दें कि दोपहर तक मध्य टेक्सास में पांच लाख से अधिक लोग फ्लैश फ्लड चेतावनी के दायरे में थे।

उत्सव की तैयारियों को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक

दिव्या दिल्ली-कतनौरिया (भरमाड़)

ज्वाली विधानसभा क्षेत्र के तहत भरमाड़ सिद्धपुर - घाड़ - दरकारी सम्पर्क मार्ग पर बूहल खड्ड पर बने पुल की अप्रोच वाल के साथ आज सुबह फिर एक बड़ा गड्ढा पड़ गया है एक साल में तीन बार भारी गड्ढे पड़ जाने से लोग विभाग की लापरवाही देखी जा रही हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़क से स्कूटी से गुजर रहे विक्की ठाकुर ने बताया मैं पुल पर खड़ा हो करके बूहल खड्ड के पुल पर पानी का बहाव देख रहा था मेरे सामने देखते

ही देखते धीरे धीरे भारी गड्ढा पड़ गया मैंने उसी समय दोनों ओर पत्थर लगा करके रोड को बंद कर दिया थोड़ी देर में जिला कांगड़ा के युवा कांग्रेस के महासचिव सचिन गुलेरिया भी आ गये उन्होंने उसी समय लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता और सहायक अभियंता को फोन द्वारा सूचित कर दिया गया विभाग की ओर से मल्टी टास्क वर्कर कुलवंत सिंह भी वहां पर मौजूद था लगभग दोपहर 11 बजे तक मार्ग बंद रहा जिससे जाने वाले राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा सनद रहे कि तीन माह पहले भी इसी जगह पर भारी गड्ढा पड़ गया था उस समय भी लोक निर्माण विभाग के कर्मचारीयों ने द्वारा रेता वजरी डाल कर-के खाना पूर्ति कर दी थी ! कोई ज्यादा ध्यान नहीं दिया कि बार बार ऐसा क्यों हो रहा है स्थानीय निवासी सचिन गुलेरिया , मनीष गुलेरिया ,विकी ठाकुर , संजय गुलेरिया , मदन पठानियां नै बताया कि चाहे गर्मी हो चाहे ठंड के मौसम मैं जव भारी बारिश होती है तो वहां पर भारी गडडा पड़ जाता है ! इसका वड़ा कारण यह है कि पुल के ऊपरी हिस्से की ओर? की अप्रोच बाल नीचे से खोखली हो चुकी है ! जिस कारण यह हो रहा है दूसरा कारण पानी का बहाव एक तरफ है पुल पर गड्ढे पडने से सैकड़ों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लोगों ने लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों व कृषि मंत्री चन्द्र कुमार से मांग कि है कि पुल की अप्रोच खोखली हो चुकी है अच्छी तरह से कंक्रीट डाल गंगा लगाया जाये ताकि यह बार बार ना हो इस बारे लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अंकित चौधरी से जानना चाहा तो उन्होंने बताया कि मुझे इस बारे फोन द्वारा जानकारी मिली थी कि वूहल पुल पर
बड़ा गड्ढा पड़ गया है हम मौके पर गये थे उस गड्ढे को रेता बजरी व पत्थर डाल कर भर दिया है और यातायात को सुचारू रूप से चालू कर दिया है ताकि कोई भी राहगीर परेशान न हों उन्होंने बताया बरसात खत्म होने के बाद इस समस्या का समाधान किया जायेगा

रोहतांग के समीप ऑल्टो कार खाई में गिरी, चार की मौके पर ही मौत; एक घायल की हालत गंभीर

दिव्या दिल्ली- रोहतांग

रोहतांग सड़क मार्ग पर राहनीनाला के समीप एक ऑल्टो कार नंबर HP 01 K-7850 गहरी खाई में गिरने से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि एक की हालत गंभीर है। जानकारी के अनुसार एक होटल का स्टाफ रोहतांग दर्रे की तरफ जा रहा था, लेकिन राहनीनाला के पास सभी हादसे का शिकार हो गए। मनाली थाना से पुलिस की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। घायल को अस्पताल लाया जा रहा है। जबकि खाई दुर्घटना में मारे गए लोगों को निकलने के लिए पुलिस ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। सभी पर्यटक बताए जा रहे हैं। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम मौके को रवाना हो गई है। अभी मृतकों की पहचान नहीं हुई है

न्यूज फ्लैश

उत्तरी क्षेत्र सम्मेलन में बाली ने की हिमाचल में शक्ति पीठ धाम सर्किट और एयर एंबुलेंस की पैरवी

दिव्य दिल्ली : (देहरादून)

भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा देहरादून में आयोजित पहले उत्तरी क्षेत्रीय नागरिक उड्डयन सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष एवं एचआरटीसी उपाध्यक्ष आर.एस. बाली ने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। सम्मेलन की अध्यक्षता भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किन्जारापु ने की, जिसमें उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों एवं विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लिया।बाली ने अपने संबोधन में हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध शक्तिपीठों – नैना देवी, चिंतपूर्णी, ज्वाला जी, बज्रेश्वरी (कांगड़ा) और चामुंडा – को हेलीकॉप्टर सेवाओं से जोड़ने का सुझाव दिया ताकि आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिले और श्रद्धालुओं को सुरक्षित व सुलभ यात्रा का अनुभव प्राप्त हो।बाली ने प्रदेश के दुर्गम और दूरस्थ क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस सेवाएं संचालित करने की आवश्यकता पर बल दिया।उन्होंने गगल एयरपोर्ट में वर्तमान में निर्धारित 5 किलोमीटर विजिबिलिटी की बाध्यता में यथोचित संशोधन कर अधिक फ्लाइट्स की आवाजाही सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। राज्य में मौजूद हेलीपोर्ट्स को योजना बद्ध ढंग से विकसित करने एवं नए स्थलों की पहचान कर उन्हें सुदृढ़ करने की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया ।सम्मेलन के उपरांत बाली ने जानकारी दी कि नायडू ने हिमाचल प्रदेश की मांगों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया है कि राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप निर्णायक कदम उठाए जाएंगे।

संजीव गांधी सरकारी कॉलेज धर्मशाला के पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए

दिव्या दिल्ली - धर्मशाला

सरकारी कॉलेज धर्मशाला के पूर्व छात्र संघ ने आज कॉलेज के ऑडिटोरियम भवन में आयोजित एक सामान्य सभा में अपनी नई कार्यकारिणी का चुनाव किया। विभिन्न बैचों के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नए पदाधिकारियों का चुनाव किया। इस नई कार्यकारिणी की आगामी शताब्दी समारोह के संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका है। यह उल्लेखनीय है कि कर्नल करतार सिंह की अध्यक्षता में इस संघ का पंजीकरण हुआ था। सामान्य सभा ने सर्वसम्मति से संजीव गांधी को नया अध्यक्ष और संदीप मेहता को महासचिव चुना। उपस्थित प्रभावशाली सभा ने नई टीम को अपना पूर्ण सहयोग और समर्थन देने की घोषणा की। संजीव गांधी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सभा को आश्वासन दिया कि वह उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे और कॉलेज की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर एक भव्य समारोह आयोजित करने के लिए सदस्यों के साथ मिलकर काम करेंगे।सभा ने एक प्रस्ताव पारित करके उनके 90वें जन्मदिन पर परम पावन को बधाई दी। पूर्ण चुनाव प्रक्रिया कर्नल कृष्ण गुरुंग, संघ के सबसे वरिष्ठ सदस्य, की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जो चुनाव अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

हिमाचल में बन रहे फोरलेन की जांच केंद्र सरकार अपने ईमानदार अधिकारियों द्वारा करवाए-रेणु

दिव्या दिल्ली-विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर हिमाचल में इस बार पड़ी गर्मियों ने अपना पिछला रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है तापमान 50 डिग्री को भी पार गया ।कांग्रेस नेत्री एवं पूर्व महासचिव प्रदेश महिला कांग्रेस रेणु बाजवारिया ने कहा कि कारण एनएचएआई विभाग द्वारा हिमाचल में जगह जगह फोरलेन सड़क बनाए जा रहे जिसका काम भी जोरो पर है ।एनएचएआई द्वारा पठानकोट मंडी व प्रदेश के अन्य फोरलेन निर्माण कार्य के चलते हजारों पेड़ों को काटा गया सैकड़ों साल पुराने पेड़ जो कि ऑक्सीजन , ठंडक व सड़क के दोनो ओर छाया देते थे और उसके आसपास क्षेत्र का मौसम अनुकूल रहता था वहीं तापमान भी कम रहता था ।एनएचएआई विभाग ने बेदर्दी से इन सभी लाखों पेड़ों को काट दिया ।उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा की मोदी सरकार चाहती तो सड़क के बीच और दोनों साइड के हजारों पेड़ो को बचा सकती थी लेकिन उन्हें नही बचाया गया केबल एनएचएआई को खुले दिल से इन पेड़ो को उजाड़ने का मौका दे दिया गया । उन्होंने कहा कि यह पेड़ लगभग सभी कांग्रेस सरकारों द्वारा लगवाए गए थे जिसमे भाजपा सरकार का कोई योगदान नहीं था उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले पर्यटकों का सफर भी हिमाचल की सीमा में आने पर सुहाना हो जाता था । अब टूरिस्ट भी केंद्र की सरकार द्वारा बनाए जा रहे फोरलेन सड़कों की हालत देख कर हिमाचल में आने से कतरा रहे हैं । फोरलेन निर्माण से अविज्ञानिक ढंग से पहाड़ों पेड़ो की कटाई से पर्यावरण को बहुत नुकसान तो पहुंचा ही है साथ ही कई लोगों के भवनों में बरसात में पानी आ गया दरारे आ गई कई गिर गए और कई स्थानों पर लैंडस्लाइडिंग हुई जिससे लोगों का करोडों का नुकसान हुआ केंद्र सरकार मुआवजा देने से कतरा रही है व एनएचएआई के अधिकारियों को बचाने को लगी हुई है रैणु बाजवारिया ने कहा कि केंद्र सरकार नहीं चाहती कि कांग्रेस सरकार आर्थिक तौर पर मजबूत हो और विकास कर सके यहां बता दे कि हिमाचल की कमाई का सबसे बड़ा स्रोत पर्यटन पर निर्भर है जिसको केंद्र सरकार बंद करना चाह रही है ।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एनएचएआई द्वारा हिमाचल में बन रहे फोरलेन की ईमानदार अधिकारियों द्वारा जांच करवाए और जनता की समस्याओं पर भी ध्यान दे ।

सिरमौर के सियूं गांव में पंडाल निर्माण कार्य श्रद्धालुओं के सहयोग से जारी

दिव्या दिल्ली- रेणुका (सिरमौर)

पहाड़ी क्षेत्रों में देवी-देवताओं की गहरी आस्था हिमाचली संस्कृति की आत्मा है। जिला सिरमौर के हर गांव में स्थानीय देव परंपरा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान, पूजा पद्धति, भंडारे, चेयुषी, प्याशली व कुरुड़ की स्थापना क्षेत्रवासियों द्वारा श्रद्धा और परंपरा अनुसार की जाती है इसी क्रम में ग्राम पंचायत सगड़ा के अंतर्गत सियूं गांव में महासू महाराज और लक्ष्मी नारायण मंदिर स्थित हैं। ग्रामवासियों की महासू महाराज में विशेष श्रद्धा है और मान्यता है कि यहां मांगी गई मन्नत अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था के प्रतीक स्वरूप महासू महाराज जी के मंदिर प्रांगण एवं भव्य पंडाल का निर्माण कार्य ग्राम वासियों द्वारा श्रमदान के माध्यम से किया जा रहा है। स्थानीय पंचायत प्रधान श्री सतपाल तोमर ने इस धार्मिक कार्य में सहयोग देने वाले समस्त ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यह कार्य जनभागीदारी और सामूहिक श्रम का अनुपम उदाहरण है। महासू महाराज जी के पुजारी श्री कौशल दत्त शर्मा एवं श्री सुरेश शर्मा ने भी समस्त श्रद्धालुओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह कार्य महासू महाराज जी की कृपा और लोगों की एकजुटता से संभव हो रहा है। उन्होंने मंगल कामना की कि देव कृपा से सभी ग्रामवासी सदैव स्वस्थ, सुखी और निरोगी रहें।

ब्राह्मण सभा की एक बैठक हुई संपन्न

दिव्या दिल्ली-विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर ब्राह्मण सभा की एक बैठक आज सभा के कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सभा के प्रधान इंद्र शर्मा ने की ' बैठक को संबोधित करते हुए सभा के महासचिव राजेन्द्र मोहन शर्मा ने प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी सभा के समक्ष रखी और पूर्व में संपन्न हुई गतिविधियों जैसे पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रतियोगिता के विषय में सबको अवगत कराया। बैठक में यह जानकारी दी गई कि सभा द्वारा एक ऑक्सीजन कंसट्रेटर की व्यवस्था की गई है, और जिन्हें भी इसकी आवश्यकता हो वह सभा में संपर्क कर सकते हैं। सभा द्वारा सर्वसम्मति से सभी प्रस्ताव पारित किए गए। इस अवसर पर सभा के वित्त सचिव राजिंदर दत्ता, कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र मोहन शर्मा, अधिवक्ता नरेश कुमार शर्मा, प्रदीप शर्मा, अरविंद नयन शर्मा, कमल शर्मा, सुरेश शर्मा व ईश्वर दत्त शर्मा मौजूद रहे

सूद सभा चंडीगढ़ ने 10वां रक्त दान शिविर लगाया

दिव्या दिल्ली- चंडीगढ़

सूद सभा चंडीगढ़ की ओर से आज यहां सेक्टर 44 स्थित सूद भवन में 10वां रक्त दान शिविर लगाया गया। इंडियन डेंटल एसोसिएशन मोहाली के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल सेक्टर 32 की टीम ने शिविर का संचालन किया। शिविर का उद्घाटन श्रीमती रवनीत कौर, एच ओ डी, डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसफ्यूजन, सेक्टर 32 चंडीगढ़ तथा श्री अश्वनी सूद, अध्यक्ष, सूद सभा के द्वारा किया गया। इस मौके पर सूद बिरादरी सहित अन्य लोगों ने रक्त दान शिविर में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के दौरान 133 यूनिट खून एकत्र किया गया। सूद सभा चंडीगढ़ के प्रेस सचिव श्री सचिन सूद तथा मुकेश सूद ने बताया कि इसके अलावा सूद सभा ट्राइसिटी चंडीगढ़ में रह रहे सूद बिरादरी के उत्थान और उनकी समस्याओं को लेकर कार्य करती आ रही है। इसके साथ ही अन्य सामाजिक कार्य भी समय-समय पर किए जाते हैं। आज मौसम खराब होने के बावजूद भी लोगों में रक्तदान करने का जोश देखने को मिला। सूद सभा चंडीगढ़ के अध्यक्ष श्री अश्वनी सूद, जनरल सेक्रेटरी श्री सुधीर सूद और वित्त सचिव श्री खुशविंद्र सूद सहित अन्य पदाधिकारियों ने रक्तदान करने वालों का हौसला बढ़ाया और उनके इस नेक कार्य को लेकर धन्यवाद किया।

भूल खड के पुल बरसात के पानी से धस गई

दिव्या दिल्ली-ऊषा जरियाल (जवाली)

उपमंडल जवाली के अन्तर्गत लब लुधियाड़ भरमाड़ सम्पर्क मार्ग के भूल खड के पुल की अप्रोच साल के तीसरी बार बरसात के पानी से धस गई हैं तथा अब सिद्धपुरघाड़ के लोगो को फिर पेरशानी का सामना करना पड़ रहा है` मार्ग में बाहनों की आबाजाबी बंद हो गई है बही स्थानीय लोगों का कहना है की बिभाग की लापरवाही से आज साल के तीसरी बार अपोरोच धस जाना सही नहीं है उनका कहना है की अगर आर सीसी कर यह कार्य करें तो यादा बेहतर हो सकता है

मुख्यमंत्री, पार्टी पदाधिकारियों , विधायक,मंत्रियों पर कसे नकेल - सांसद राजीव भारद्वाज

दिव्या दिल्ली-रविंद्र चौधरी (फतेहपुर)

हिमाचल प्रदेश में सत्तासीन कांग्रेस सरकार के मंत्री व विधायक सत्ता के नशे में चूर होकर कानून को अपने हाथों में ले रहे हैं जिस कारण लोगों के दिलों से कानून का भय खत्म हो रहा है। यह बात कांगड़ा-चंबा के सांसद डॉ राजीव भारद्वाज ने कही। उन्होंने कहा कि हाल ही में हिमाचल प्रदेश के एक कैबिनेट मंत्री पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ मारपीट के आरोप लगे हैं, तो वहीं बिलासपुर जिला में पूर्व विधायक द्वारा पुलिस अधिकारी से धक्का मुक्की करने का मामला भी उजागर हुआ था। उन्होंने इसे शर्मनाक और निंदनीय बताते हुए प्रदेश सरकार और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से पार्टी पदाधिकारियों, विधायकों, मंत्रियों पर नकेल कसने की बात भी कही है। उन्होंने कहा कि ऐसे तो किसी को कानून का डर नहीं रहेगा। सांसद डॉ राजीव भारद्वाज ने कहा है कि अगर कोई अधिकारी ठीक काम नहीं कर रहा है तो उसके विरुद्ध नियमों अनुसार कार्रवाई करने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अधिकारी ही विकास कार्य और कानून व्यवस्था को चलाने में विशेष भूमिका निभाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि कानून को हाथ में लेने वाले नेताओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि ऐसी अराजकता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दूसरी ही बरसात में जलमग्न हुआ ऊना, स्कूल-घर-सड़क सब पानी में डूबे

दिव्या दिल्ली- (ऊना)

जिला ऊना मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार तड़के करीब 3:00 बजे से लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। शहर के कई इलाकों में पानी घरों, स्कूलों और पेट्रोल पंप तक में घुस गया है। वहीं सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अग्निशमन विभाग की टीमें रेस्क्यू कार्य में जुट गई हैं। विभागीय अधिकारी ने बताया कि ऊना से तीन, बंगाणा से एक और अंब से एक गाड़ी प्रभावित इलाकों में भेजी गई है। ये गाड़ियां विभिन्न घरों और संस्थानों से पानी निकालने का कार्य कर रही हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उन्होंने पहले ही विभाग को बताया था कि बरसात के दौरान जलभराव की आशंका है, लेकिन समय रहते बंद पुलियों को साफ नहीं किया गया। लोगों ने मांग की है कि प्रशासन तुरंत इन पुलियों की सफाई करवाएं, ताकि आगे और नुकसान से बचा जा सके, क्योंकि बरसात का मौसम अभी लंबा है। प्रशासन की ओर से अब तक कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है, लेकिन रेस्क्यू कार्यों में तेजी लाई गई है

भारत सरकार का आपदा राहत राशि देने में हिमाचल से भेदभाव का आरोप लगाया गया

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर भारत जोड़ो अभियान सदस्य एवम कांग्रेस समर्थक और लोकतांत्रिक राष्ट्र निर्माण अभियान की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य पीसी विश्वकर्मा ने प्रेस विज्ञाप्ति में केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि आपदा राहत राशि देने में हिमाचल प्रदेश से भेदभाव न किया जाये' उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ आने से बहुत तवाही होती है लेकिन केंद्र सरकार हिमाचल को आपदा राहत प्रदान करने में सौतेला बर्ताव करती आई है ' हिमाचल प्रदेश मे लोकसभा चुनाव में तो जनता ने बीजेपी को जीतकर कांग्रेस का सफाया ही कर दिया' उसके वाद भीआपदा ग्रांट देने के लिए न्यायिक मापदंड मजबूत होना चाहिए' भारत सरकार की एक नीति है समान विकास सबका सहयोग फिर हिमाचल से भेदभाव क्यों पीसी विश्वकर्मा ने कहा कि केंद्र गत वर्ष के नुकसान की भरपाई करने में भी बहुत कम यानी 2016 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी थी जबकि कम से 6 हजार करोड़ रुपए की मदद अपेक्षित थी क्योंकि नुकसान का आंकड़ा 12 हजार करोड़ रुपए से ऊपर था।

बखालग में राज्य स्तरीय हिमाचल राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद का त्रैवार्षिक अधिवेशन आयोजित

दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (बखालग)

अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि संस्कृत जहां सभी भारतीय भाषाओं की जननी है वहीं सनातन जीवन परम्परा का पूर्णसार की जानकारी हमें मूल रूप से संस्कृत से ही मिलती है। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बथालग में राज्य स्तरीय हिमाचल राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद के त्रैवार्षिक अधिवेशन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा के पठन-पाठन से मनुष्य की मनोवृत्ति में शुद्धता और स्वच्छता का संचार होता है। संजय अवस्थी ने कहा कि संस्कृत भाषा पढ़ाने वाले शिक्षक न केवल भाषा का ज्ञान देते हैं बल्कि भाषा के संरक्षण का कार्य भी करते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा विश्व की सबसे पुरानी भाषा है। इसका ज्ञान व्यक्ति को धार्मिक, दार्शनिक और साहित्यिक ग्रंथों को समझने में परिपूर्ण बनाता है।
विधायक ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के पूर्ण कार्य में संस्कृत की मेहता को स्वीकार किया गया है। विश्व की विभिन्न भाषाओं का मूल संस्कृत ही है। हम सभी भाग्यशाली हैं कि हम उस समाज का हिस्सा है, जहां पर इस भाषा की उत्पत्ति हुई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन संस्कृत भाषा के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पेंशनरों की लंबित बकाया राशियों का शीघ्र भुगतान करें विद्युत बोर्ड प्रबंधक वर्ग

दिव्या दिल्ली- विनय महाजन(नूरपुर)

नूरपुर हिमाचल प्रदेश विद्युत बोर्ड पेंशन फार्म नूरपुर, ज्वाली, फतेहपुर , गंगथ , इंदौरा, कोटला यूनिटों के पदाधिकारियों की आज एक संयुक्त बैठक विद्युत विश्राम गृह बोड जसूर (नूरपुर) में विद्युत बोर्ड पेंशन फार्म के राज्य उपाध्यक्ष पवन मोहल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर मोहल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विद्युत बोर्ड के कर्मचारियों व इंजीनियर एवं पेंशनर्स की ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने कर्मचारियों ,पेंशनरों, इंजीनियरों ही मांगों को लेकर और विद्युत बोर्ड में स्वीकृत पदों को समाप्त करने के विरोध में, रिटायर कर्मचारियों को वित्तीय लाभों को न दिए जाने के विरोध में 11 फरवरी 2025 को जिला हमीरपुर से महा पंचायत का जिलेवार करने की शुरूआत की थी उसके बाद पूरे प्रदेश में जिला महापंचायत का आयोजन किया गया था' कांगड़ा जिला की इस महा पंचायत में भाग लेने के लिए इन सभी यूनिटों से 240 पेंशनर भाग लेगे। अभी तक भुगतान नहीं किया गया। जिस कारण पेंशनरों में भारी रोष व्याप्त है।आज इस बैठक के माध्यम से हमारी पुरजोर मांग है कि इन सभी वित्तीय लाभों को बोर्ड प्रबंधक वर्ग शीघ्र जारी करें ' अभी तक एक महीने का समय बीत जाने के बाद आज दिन तक इस दिशा में बोर्ड की तरफ से कोई सकारात्मक कार्रवाई अमल में नहीं लाई है ' अगर समय रहते इन सभी वित्तीय देनदारियों को बोर्ड प्रबंधन जारी नहीं करता तव प्रदेश भर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रेग्नेंट हैं

सोनाक्षी सिन्हा

पति जहीर इकबाल संग चैट ने खोला राज, सामने आई सच्चाई

साल 2024 में बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने शादी कर ली थी. वे अपनी शादी की वजह से खूब चर्चा में रही थीं. उन्होंने एक्टर जहीर इकबाल संग सात फेरे लिए. दोनों ही शादी के बाद से क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे हैं और दोनों को कुछ मौकों पर साथ में भी स्पॉट किया गया है. सोनाक्षी सिन्हा हाल-फिलहाल में जब लाइमलाइट में आईं तो उनको लेकर ये अफवाह भी खूब जोरों पर रही कि वे प्रेग्नेंट हैं. अब एक्ट्रेस ने अपने हसबैंड जहीर इकबाल संग एक पोस्ट शेयर की है. उन्होंने बताया कि क्यों आखिर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर इतनी बातें हो रही हैं.सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर जहीर इकबाल संग अपनी बातचीत का स्क्रीनशॉट शेयर किया है. इसमें जहीर उनसे पूछते हैं- क्या तुम भूखी हो. जवाब में सोनाक्षी कहती हैं कि बिल्कुल भी नहीं. तुम मुझे खिलाना छोड़ो. फिर जहीर पूछते हैं कि मुझे लगा ये हॉलीडे था. इसके जवाब में सोनाक्षी कहती हैं कि मैंने अभी-अभी तो तुम्हारे सामने ही खाना खाया है. अब तुम बस करो. इसके बाद जहीर कहते हैं- आई लव यू. जवाब में सोनाक्षी कहती हैं- मैं भी तुमसे बहुत प्यार करती हूं.

जहीर जिस तरह से सोनाक्षी की केयर कर रहे हैं उसे लेकर ही लोगों को ये लग रहा है कि कहीं सोनाक्षी प्रेग्नेंट तो नहीं हैं. लेकिन अब सोनाक्षी ने इस बात का जवाब दे दिया है और बता दिया है कि फिलहाल के लिए तो ऐसा कुछ भी नहीं है. सोनाक्षी और जहीर ने साल 2024 में शादी की थी. इस शादी में खास महमान नजर आए थे और इस दौरान की फोटोज भी खूब वायरल हुई थीं. हालांकि घरवालों के खिलाफ जाकर शादी करने की वजह से तनाव का माहौल भी नजर आया था.

वर्क फ्रंट पर क्या कर रही हैं सोनाक्षी सिन्हा ?

सोनाक्षी सिन्हा की बात करें तो एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ के साथ ही प्रोफेशनल लाइफ में भी काफी सामंजस्य बनाकर चल रही हैं.

ओटीटी में धाकड़ जैसी दमदार सीरीज और हीरामंडी में डबल रोल करने के बाद सोनाक्षी सिन्हा के हौसले काफी बुलंद है. साल 2024 में वे काकुड़ा और बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों का हिस्सा रही थीं. साल 2025 की बात करें तो उनकी फिल्म निकिता रॉय रिलीज होने जा रही है. फिल्म की रिलीज को फिलहाल बॉक्स ऑफिस क्लैश की वजह से आगे के लिए शिफ्ट कर दिया गया है.

सनी देओल-सलमान खान की फिल्म में की एक्टिंग, बिग बॉस का रहा हिस्सा, 8 सालों से कहां है ये एक्टर?

बॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री है जहां दुनियाभर के लोग अपना भाग्य आजमाने के लिए आते हैं. कई एक्टर्स उनमें से ऐसे रहते हैं जो लंबी पारी खेलते हैं. वहीं कई एक्टर्स ऐसे भी होते हैं जिनका करियर उतना लंबा नहीं चलता लेकिन वे अपना नाम कमा ले जाते हैं. आज हम बात कर रहे हैं एक ऐसे एक्टर की जिसने लीड रोल में अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद इस एक्टर ने कई साइड रोल्स भी किए. ये एक्टर बिग बॉस का हिस्सा भी रहा. मगर अब इन्हें फिल्मों में आपने कम ही देखा होगा. हम बात कर रहे हैं आर्यन वैद की जो अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं. आइये जानते हैं कि आजकल एक्टर कहां हैं और क्या कर रहे हैं.

कई कला में माहिर हैं आर्यन वैद

आर्यन वैद का जन्म 4 जुलाई 1976 को मुंबई में हुआ था. आर्यन एक मॉडल रहे हैं और उन्होंने साल 2000 में मिस्टर इंटरनेशनल का अवॉर्ड भी जीता था. उन्होंने शुरुआत में मुंबई में पृथ्वी थिएटर्स के लिए भी कुछ स्टेज शोज किए. वे लाइफस्टाइल कॉलमनिस्ट भी रहे हैं और वे एक ट्रेंड शेफ भी हैं. आर्यन ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत लीड एक्टर के तौर पर किए थे. इसके बाद वे फिल्मों में सपोर्टिंग रोल में भी नजर आए. मगर उन्हें वैसी सफलता नहीं मिली.

2003 में किया था करियर शुरू

साल 2003 में मार्केट फिल्म से लीड एक्टर के तौर पर आर्यन ने अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद वे चाहत एक नशा, दुबई बाबू, फन, नाम गुम जाएगा, एक जिद एक जान, मनोरंजन, देशद्रोही, अपने और वीर जैसी फिल्म में काम किया था. वीर फिल्म में वे सलमान खान के साथ नजर आए थे वहीं अपने फिल्म में वे सनी देओल के साथ नजर आए थे. उन्होंने वेलकम, रब से सोना इश्क, उड़ान और संतोषी मां जैसे सीरियल्स में काम किया.

पिछले कुछ सालों से लाइमलाइट से हैं दूर

आर्यन वैद पिछले कुछ सालों से लाइमलाइट से एकदम दूर हैं. उनकी पिछली फिल्म राजा थी जो साल 2019 में आई थी. लेकिन ये एक भोजपुरी फिल्म थी. वहीं वे 2017 में पिछली बार संतोषी मां नाम के सीरियल में इंद्र देव का रोल प्ले करते हुए नजर आए थे. मगर पिछले 8 सालों से वे वर्क फ्रंट पर एक्टिव नजर नहीं आए हैं. लेकिन एक्टर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर जरूर चर्चा में आए थे. साल 2018 में पहली शादी टूटने के बाद आर्यन ने 2022 में फ्लोरीडा की महिला अरिन एरिन वॉरेन से शादी रचा चुके हैं. सोशल मीडिया पर दोनों की कुछ फोटोज भी वायरल हैं.

28 साल पहले इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म में विलेन बनी थीं काजोल, बॉबी देओल की कर दी थी सिट्टी-पिट्टी गुल

27 साल पहले बॉलीवुड की एक फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था. उस फिल्म के गाने, कहानी और डायलॉग्स सब कमाल थे लेकिन लोगों को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात कर हुई कि फिल्म में काजोल का निगेटिव रोल था जो दमदार रहा. फिल्म में काजोल के अलावा एक और हीरोइन थी जबकि एक लीड हीरो था. फिल्म की कहानी कुछ ऐसी लिखी गई है कि आखिर तक आप समझ नहीं पाएंगे कि मेन विलेन आखिर है कौन ?फिल्म गुप्त: द हिडेन ट्रुथ में लीड एक्टर बॉबी देओल थे और ये उनकी उन फिल्मों में एक थी, जो जबरदस्त हिट साबित हुई थी. वहीं दूसरी हीरोइन मनीषा कोईराला थीं और इस फिल्म के जरिए उनके करियर में एक और सुपरहिट जुड़ गई थी. चलिए फिल्म गुप्त: द हिडेन ट्रुथ की कहानी से लेकर इसके डायरेक्टर, स्टारकास्ट और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर विस्तार से चर्चा करते हैं.

'गुप्त: द हिडेन ट्रुथ' की कमाई कितनी हुई थी ?

4 जुलाई 1997 को रिलीज हुई फिल्म 'गुप्त:द हिडेन ट्रुथ' के डायरेक्टर राजीव राय थे. फिल्म के प्रोड्यूसर राजीव राय और गुलशन राय थे. वहीं फिल्म में विजु शाह का म्यूजिक डायरेक्शन था. फिल्म की लीड स्टारकास्ट बॉबी देओल, काजोल और मनीषा कोईराला थे. वहीं परेश रावल, प्रेम चोपड़ा, दलिप ताहिल, रजा मुराद, ओम पुरी और कुलभूषण खरबंदा जैसे स्टार्स ने भी अहम किरदार निभाए थे. अगर कमाई की बात करें तो Sacnilk के मुताबिक, फिल्म का बजट 9 करोड़ था जबकि इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 33.15 करोड़ था. इस फिल्म का वर्डिक्ट हिट साबित हुआ था.

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'गुप्त: द हिडेन ट्रुथ' ?

फिल्म गुप्त: द हिडेन ट्रुथ में लगभग 8 गाने थे जबकि इसमें 'गुप्त टाइल सॉन्ग', 'दुनिया हसीनो का मेला', 'मेरे ख्वाबों में', 'मेरे सनम' और 'ये प्यासी मोहब्बत' जैसे गाने हिट हुए थे. फिल्म में साहिल सिन्हा (बॉबी देओल) के ऊपर अपने फादर की हत्या का आरोप लग जाता है. लेकिन वो अपनी बेगुनाही को साबित करने के लिए कई कदम उठाता है. वहीं साहिल को जेल से बाहर आने के लिए शीतल (मनीषा कोईराला) उसकी मदद करती है. इसके बाद कहानी जो मोड़ लेती है वो बहुत दिलचस्प है. वहीं ईशा दीवान (काजोल) साहिल को पाने के लिए हर हद पार करती हैं.

ऐश्वर्या राय

की इन आदतों को बर्दाश्त करते हैं अमिताभ-अभिषेक, ननद को भी नहीं भाती भाभी की ये बात

अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन को हमेशा सपोर्ट करते हुए नजर आते हैं. जब भी अभिषेक की कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है, बिग बी अपने बेटे के काम की तारीफों के पुल बांधने लगते हैं. वहीं जब एक बार महानायक से उनकी बहू ऐश्वर्या राय की आदतों को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने खुलकर बताया कि उन्हें उनकी कौन-सी आदत नहीं पसंद है. ऐश्वर्या और अभिषेक पिछले साल अपने तलाक की खबरों को लेकर काफी सुर्खियों में रहे. हालांकि ये सभी खबरें अफवाह निकलीं. लेकिन अब अमिताभ और अभिषेक ऐश्वर्या की तारीफ करते हुए नजर नहीं आते हैं.दरअसल एक बार करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण के मंच पर अमिताभ बच्चन ने अपनी बेटी श्वेता बच्चन के साथ शिरकत की थी. ये साल 2010 तक की बात है, जब बाप-बेटी की जोड़ी पहली बार साथ में किसी चैट शो पर पहुंची थी. इस दौरान दोनों ने अपने परिवार और घर के सदस्यों के बारे में कई सारी बातें भी की थीं. शो के रेपिड फायर राउंड के दौरान करण ने अमिताभ से पहले सवाल किया कि उन्हें अभिषेक की कौन सी आदत नहीं पसंद ?

अभिषेक-ऐश्वर्या की आदतों पर बोले अमिताभ

सवाल का जवाब देते हुए बिग बी ने तुरंत कहा, उन्हें अभिषेक का हिंदी में कम बातें करना पसंद नहीं आता. इसके बाद करण ने उनसे अगला सवाल पूछा कि उन्हें बहू ऐश्वर्या राय बच्चन की कौन सी बात पसंद नहीं आती ?

इसके जवाब में दिग्गज एक्टर ने कहा कि उनका टाइम मैनेजमेंट. अमिताभ और श्वेता के इस एपिसोड के ऑन एयर होने के 10 साल बाद, करण के चैट शो पर श्वेता और अभिषेक भी पहुंचे थे.

ऐश्वर्या की इस आदत को बर्दाश्त करते हैं अभिषेक

10 साल बाद करण जौहर ने अभिषेक और श्वेता के सामने पुराने सवाल दोहराए थे. पहले अभिषेक से करण ने पूछा कि उन्हें ऐश्वर्या की क्या चीज पसंद है. जवाब में एक्टर ने कहा, कि वो मुझसे प्यार करती हैं. इसके बाद उनसे अगला सवाल पूछा गया कि उन्हें ऐश्वर्या की किस आदत को बर्दाश्त करना पड़ता है.

मातमी दस्तों के साथ निकाला गया मोहर्रम का जुलूस

-डीएम व एसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

फतेहपुर। मोहर्रम माह की दस तारीख यौमे आशूरा के दिन शहर सहित विभिन्न कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद को लेकर अलविदाई जुलूस निकाले गये जो शाम कर्बला में नम आंखों के साथ सुपुर्द ए खाक किये गये शहर के बाकरगंज, किला, सैय्यद वाडा, चैक ,लाला बाजार,पीलू तले सहित आदि मोहल्लों से यौमे आशूरा के दिन हजरत हुसैन व उनके 71 साथियों की याद में अलविदाई जुलूस मातमी दस्तों के साथ निकाले गये जो शाम कर्बला में अलविदाई नौहे के बाद समाप्त किये गये जुलूस में अल्लाह हो अकबर, या रसूल अल्लाह,या हुसैन,या अली के गगन भेदी नारों से शहर गूंजता रहा इसी प्रकार कस्बा जहानाबाद मे कोड़ा, बाकरगंज, गढी, मियां टोला, सानीगढवा, दारागंज, मलिकपुर, काजी टोला, सहित नगर के लगभग एक दर्जन मोहल्लों से अलविदाई जुलूस अकीदत मन्दो के बीच निकाले गये जिसके हमराह कस्बे के प्राचीन बराती ताजिये में मुरादें मांगने एवं बढ़ाने वालों का तांता लगा रहा जुलूस नगर के निर्धारित मार्गो से होते हुए शाम थाने के समीप स्थित कर्बला में सुपुर्द खाक किये गये इसी प्रकार बिन्दकी, खागा, हथगांव, छिवलहा, बहेरा सादात, ऐरायां, ललौली, थरियांव, मलवां, जाफरगंज, अमौली, जोनिहां सहित आदि कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अलविदाई जुलूस निकाले गये शहर सहित जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में अखाड़ेदारों द्वारा अपने अपने फनों के जौहर दिखाये गये।

न्यूज फ्लैश

डॉ राजीव बिंदल को पुन:भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनाया जाना एक सराहनीय कदम - राजीव भारद्वाज

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

डॉ राजीव बिंदल को संगठन का काफी अनुभव है तथा उनको भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनाया जाना एक सराहनीय कदम है। यह बात कांगड़ा-चंबा के सांसद डॉ राजीव भाद्वाज ने प्रेसवार्ता में आज वताई। डॉ राजीव भारद्वाज ने कहा कि मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि इस चुनाव में मुझे प्रभारी बनाया गया था। उन्होंने कहा लंबे अनुभव के चलते उनके प्रदेशाध्यक्ष बनने से पार्टी मजबूत होगी तथा आने वाले समय में प्रदेशाध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी। बही इससे पुर्व सांसद ने अपने कार्यालय मे लोगो की समस्यों को भी सुना ' मंडी में हुई भारी त्रासदी पर रँङ्ग' जताया और कहा कि इस दुख की घड़ी में केंद्र सरकार जनता के साथ है' सांसद राजीव भारद्वाज ने हिमाचल के जिला मंडी में हुई भारी त्रासदी पर भी शोक जताया और कहा कि इस दुख की घड़ी में केंद्र सरकार जनता के साथ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार के साथ भाजपा भी एकजुट है। उन्होंने कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा त्रासदी के लिए 2006करोड़ की राहत राशि दी गई है, उसको भी प्राथमिकता से त्रासदी में बेघर हुए लोगों की सहायता के लिए खर्च किये गये है

योग्यता टैंडर शर्ते हटा कर सरकार अनुभवहीन कम्पनी को पंहुचाना चाहती है फायदा

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

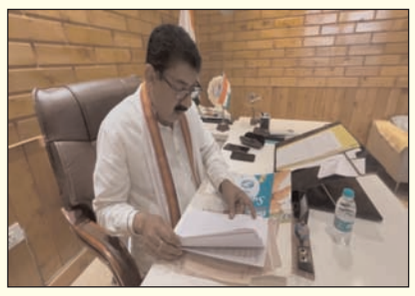

केन्द्र सरकार ने फिना सिंह परियोजना डैम को बनाने के लिए लगभग 300 करोड़ की राशी जारी की है ।बजट आते ही जैसे प्रदेश सरकार ने डैम को बनाने के लिए टैंडर आमंत्रित किए है । टैडर निविदाएं खुलते ही विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है जंहा हाल मे ही पुर्व मुख्यमंत्री एवं नेता विपक्ष जयराम ठाकुर व पुर्व मंत्री विक्रम ठाकुर ने इस टैंडर प्रकिया मामले को जोर शोर से उठाते हुए प्रदेश सरकार को घेरते हुए अनुभवहीन कम्पनी को टैंडर देने का अरोप लगाया है ' पुर्व मंत्री एवं नूरपुर विधानसभा के पुर्व विधायक राकेश पठानियां ने भी सरकार व विभाग को इस मुद्दे पर घेरा है ?' उन्होंने कहा कि फिना सिंह परियोजना डैम मेरा ड्रिम प्रोजेक्ट, इस डैम निर्माण से खिलवाड़ न करे सरकार ।पत्रकारो को आज संबोधित करते हुए पूर्व वन मंत्री राकेश पठानियां ने कहा कि फिना सिंह परियोजना डैम का 294 करोड़ की लगत का कार्य एक अनुभवहीन कम्पनी को आवंटित करने की सरकार की मंशा संदेह के घेरे में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि जिला कांगड़ा की विधानसभा नूरपुर क्षेत्र के लिए भारत सरकार द्वारा वितपोषित तथा प्रदेश के जल शक्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही फिना सिंह सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत लगभग 300 करोड़ रुपए की लागत से एक बांध का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इस बांध कार्य का टैंडर नियमों को ताक में रख कर ऐसी कंपनी को आवंटित करने की तैयारी प्रदेश सरकार ने कर ली है।

भाजपा ने सोलन से करसोग के लिए भेजी राहत सामग्री

दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (सोलन)

भाजपा द्वारा सोलन से कम्बलों व तिरपाल की दूसरी गाड़ी करसोग के लिए भेजी गई है, ताकि पीड़ित मानवता की सेवा इस आपात स्तिथि में हो सके।स्थानीय भाजपा नेता एवं भाजपा प्रदेश कार्यकरिणी सदस्य राजेश कश्यप ने बताया कि आपदा के बाद भाजपा राहत सामग्री पहुचा रही है। उन्होंने कहा कि कम्बल व तिरपाल की दूसरी गाड़ी करसोग के लिए भेजी गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही राशन किट की एक गाड़ी भी भेजी जाएगी। ताकि कोई भूखा ना रह सके।उन्होंने कहा कि इस आपदा की घड़ी में हम सबको पर चढ़कर प्रभावित लोगों की मदद करनी चाहिए।इस अवसर पर भाजपा नेता राजेश कश्यप और सोलन ग्रामीण के मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा,महामंत्री विजय ठाकुर,ओर पूर्व चेयरमैन सुंदर सिंह ठाकुर ओर भाजपा संजय पराशर,आदि वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे।

टिबरु गांव के पास एक गाड़ी के पलटने से एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए

दिव्या दिल्ली-टिबरु

हिमाचल के पर्यटन स्थल चायल से एक दुखद खबर सामने आई है, जहां घूमने आए पर्यटकों की खुशियां एक हादसे में तब्दील हो गईं। टिबरु गांव के पास एक गाड़ी के पलटने से एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। घटना चायल के टिबरु गांव की है, जहां अंबाला से घूमने आए एक परिवार की गाड़ी दलदल भरी सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस समय हुआ जब परिवार सोलन की तरफ लौट रहा था। गाड़ी में पति-पत्नी और भाई-बहन सवार थे। चारों को चोटें आईं और उन्हें तुरंत चायल के अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया।

भाजपा ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर उन्हें याद किया

छत्तीसगढ़

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर उन्हें याद किया और उनका नमन करते भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा जिला कार्यालय में पूर्व व पश्चिम नगर मंडल द्वारा संयुक्त रुप से कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

भाजपा नेताओं व कार्यकताओं ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता जिला उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्मरण करते हुये कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बताये मार्ग व उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात करें। उनके आदर्शों को अपना कर विचारों को साकार रूप प्रदान करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि जनसंघ के संस्थापक डा. मुखर्जी का सम्पूर्ण जीवन हम सभी कार्यकर्ताओं के लिये प्रेरणा हैं। संगठन को गढ़ने व नई ऊंचाइयों तक पहुचानें उनके विचारों को समझे, उस पर चलते हुये आगे बढ़े। पश्चिम मण्डल उपाध्यक्ष योगेश शुक्ला ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अतुल सिम्हा ने किया व आभार प्रदर्शन सुधा मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से योगेन्द्र पाण्डेय, अश्विन सरडे, आर्येन्द्र आर्य,राजेन्द्र बाजपेयी, आलोक अवस्थी, दशरथ गुप्ता, गायत्री कश्यप, बृजेश शर्मा, बी जयराम,दंतेश्वर राव, संग्राम सिंह राणा, त्रिवेणी रंधारी, माहेश्वरी ठाकुर, निर्मल पाणिग्रही, दिगम्बर राव,दिनेश पाणिग्रही, संतोष बाजपेयी, अभय दीक्षित, राजेश श्रीवास्तव,दिलीप झा, श्याम सुंदर बघेल,राजपाल कसेर, कलावती कसेर,रोहित त्रिवेदी,हरीश पारेख,पितामह नायक,सुरेश मिश्रा, अभिलाष यादव,संतोष पाण्डेय, अभिषेक साव, बसंती समरथ, गीता नाग, रेखा सिंह,रोशन झा, रूपेश जैन, संतोष त्रिपाठी,राकेश तिवारी, रितेश सोनी, सतीश बाजपेयी, मोहन सेठिया, जलंधर कश्यप,राजेश राव, संजीव ठाकुर, कौशल्या क्षत्रिय, रंजीता पाणिग्रही, किरण दीवान, देव श्री भण्डारी,अमिता भारत,नरेंद्र कुमार पाण्डेय आदि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पीपल्स केयर संस्था ने रोपे पीपल के पौधे

छत्तीसगढ़

जगदलपुर। पीपल्स केयर छत्तीसगढ़ द्वारा रविवार को लालबाग हाउसिंग बोर्ड के निकट स्थित भुतहा तालाब के किनारे पीपल के पौधे लगाए गए। पीपल्स केयर संस्था लंबे समय से जगह-जगह पीपल के पौधे का रोपण करने में जुटी हुई है। संस्था सिर्फ रोपण ही नहीं बल्कि इसके संरक्षण को भी बढ़ावा दे रही है। भुतहा तालाब के निकट पौधारोपण के अवसर पर महापौर संजय पाण्डे, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य निर्मल पानीग्राही, सुरेश गुप्ता, पार्षद नरसिंह राव, यशवंत ध्रुव, हरीश पारेख, योगेश शुक्ला, शशिनाथ पाठक, संस्था के संरक्षक योगेंद्र कौशिक, अजय परमार, शेखर बोस, किशोर जाधव, सुरेश यादव, टी महेश, ओम प्रकाश सोनी, प्रमोद मोतीवाला, ननकू द्विवेदी, एच वाय कुकड़े, रोशन झा, सचिन उपाध्याय उपस्थित रहे।

स्पीकर ने हलके को दी 1.20 करोड़ के 7 विकास कार्यों की सौगात

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा हलके को बड़ी सौगात देते हुए 1 करोड़ 20 लाख रुपये के 7 विकास कार्यों की सौगात दी है। उन्होंने रविवार को हलके में अलग-अलग जगह आयोजित कार्यक्रमों में 7 विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इसके साथ-साथ उन्होंने घरौंडा के पीडब्लूडी विश्रामगृह में आमजन की समस्याओं को भी सुना और मौके पर ही उनका समाधान भी किया। आमजन को संबोधित करते हुए हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि 11 साल पहले यह क्षेत्र विकास के मामले में पूरी तरह से अपेक्षित था।

किशोर की सड़क हादसे में मौत, दो घायल

कालपी (जालौन)। मदारीपुर-जोल्हूपुर मोड़ मार्ग पर रविवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में एक किशोर की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर करीब एक घंटे तक जाम लगाया। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के समझाने पर जाम हटाया गया।

जानकारी के अनुसार, हमीरपुर जनपद के विवार गांव निवासी सुरेंद्र पाल सिंह (14) पुत्र हिरवा अपने साथियों के साथ मोटरसाइकिल से बैरई के जंगल की ओर से होकर महेवा रोड की ओर जा रहे थे। तभी कालपी कोतवाली क्षेत्र के सोहरापुर गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सुरेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। लगभग एक घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम कालपी अतुल कुमार, सीओ अवधेश सिंह चौहान, कोतवाली प्रभारी परमहंस तिवारी, चौकी इंचार्ज विवेक कुमार मिश्रा, तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी और नायब तहसीलदार मुकेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को शांत करते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं, पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान और नरेंद्र सिंह जादौन भी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मिलकर शोक संवेदना जताई।

नए पुराने चेहरों के साथ जिला कांग्रेस कमेटी का हुआ गठन

फतेहपुर। शहर कांग्रेस कमेटी गठन के बाद प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी का गठन किया गया। पार्टी प्रवक्ता देवी प्रकाश दुबे ने बताया कि कमेटी गठन में पार्टी के प्रति निष्ठा, वरिष्ठता एवं कार्य क्षमता का विशेष ध्यान रखा गया है । जिसमें सभी जाति वर्गों को लाकर एक अच्छा सामंजस्य बनाया गया है। जिसमें 14 उपाध्यक्ष ,20, महा सचिव व 31, सचिवो के साथ देवी प्रकाश दुबे को मीडिया प्रभारी/प्रवक्ता बनाते हुए फजलुर्रहमान को कोषाध्यक्ष बनाया गया। सुधाकर अवस्थी, कल्याण सिंह, मणि प्रकाश दुबे, शेख एजाज अहमद, कलीम उल्ला सिद्दीकी, माधुरी रावत, बाबर खान, हुसैन अहमद जाफरी, पंडित राम नरेश महराज, अरुण जायसवाल, प्रकाश पाण्डेय, सन्तोष कुमारी शुक्ला, हिदायत उल्ला खान, प्रेम शंकर त्रिवेदी को उपाध्यक्ष एवं सर्व श्री देवेंद्र सिंह, राकेश शास्त्री, मनोज घायल, भगवंत सिंह राणा, वकील खान, कल्लू कोरी, आनंद सिंह, चंद्र प्रकाश लोधी, उदित अवस्थी, ओम प्रकाश कोरी, मुकीम खान, आशीष गौड़, वेद प्रकाश तिवारी, प्रभात शुक्ला, सहाब अली, चैधरी मोइन राइन, मो इशरत, शिव कुमार बाजपेई, बीरेंद्र गुप्ता, शैलेन्द्र सिंह को महा सचिव बनाते हुए श्री राम शंकर बाजपेई, सुखी राम, गयासुद्दीन, आरिफ खान, धर्मेंद्र उत्तम, नीरज कुमार, राहुल यादव, पुष्पेंद्र यादव, नीलम मौर्य, दिनेश मौर्य, अभय शुक्ला, सलीम, राम प्रसाद, फिरोज अहमद खान, मो. गुफरान, सोहराब अहमद सिद्दीकी, आदर्श पटेल, पूनम द्विवेदी, राजीव श्रीवास्तव, नौशाद अहमद, सीमा शर्मा, पप्पी राजपूत, अदिति आर्य, रीता देवी, मनोज कुमारी सिंह, शाहिस्ता बेगम, राशिद सिद्दीकी, सुदेश पाण्डेय, राजू सिंह, हीरा कश्यप, बीरेंद्र कुमार को सचिव नियुक्त किया गया।

सास-ससुर ने पेश की मिसाल, विधवा पुत्रवधू का बेटी की तरह किया कन्यादान

छत्तीसगढ़

जगदलपुर। शहर के सुभाष वार्ड निवासी सेवानिवृत्त खाद्य नियंत्रक श्यामलाल देवांगन ने अपनी विधवा पुत्रवधू गायत्री का फिर से विवाह कर अनुकरणीय पहल प्रस्तुत किया है। जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जगदलपुर में विधवा पुत्रवधू का पुनर्विवाह कर बहू को नई जिंदगी देने वाले जगदलपुर के श्यामलाल देवांगन व उनकी पत्नी सीता ने समाज के लिए एक मिसाल बनकर सामने आए है। सीता-श्यामलाल देवांगन ने विधवा बहू का न सिर्फ पुनर्विवाह कराया बल्कि अपनी दहलीज पर कन्यादान कर माता-पिता की तरह विदाई भी की है, जिसकी हर कोई सराहना कर रहा है। विधवा पुत्रवधु का बेटी की तरह कन्यादान किया । दरअसल, पूरा मामला कुछ इस तरह है कि जगदलपुर के सीता-श्यामलाल देवांगन के बेटे पारस देवांगन का विवाह रायगढ़ के चुन्नी हरिलाल देवांगन की पुत्री गायत्री के साथ हुआ था । विवाह के बाद करोना काल में एकलौता बेटा पारस देवांगन की मौत हो गई थी, जिसके बाद गायत्री विधवा हो गई वहीं एकलौता बेटा की मौत ने सीता-श्यामलाल देवांगन को भी तोड़ दिया। जब भी घर में अपने बेटे बहु को देखते थे तो उनकी आंखे भर आती थी. विधवा हो चुकी गायत्री, पति की मौत के बाद सास ससुर की सेवा में लीन हो गई। उसकी हर संभव कोशिश थी कि सास ससुर को बेटे के जाने के सदमे से बचाए। इसके बाद गायत्री ने एक बेटी की तरह दोनों की सेवा की। सीता-श्यामलाल देवांगन के मुताबिक, घर में बेटी की तरह रह रही विधवा बहु बेटे पारस देवांगन की मौत के बाद सीता-श्यामलाल देवांगन ने ठान लिया कि पुत्रवधू का जीवन खराब नही होने देंगे, दोनों ने बहू के लिए न सिर्फ रिश्ता ढूंढ लिया बल्कि बेटी की तरह पूरे रीति रिवाज से उसका विवाह पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर आसनसोल के रहने वाले आशीष पिता पवन लाल से कर दिया व समाज के लिए नजीर पेश करते हुए बहू को बेटी की तरह अपनी दहलीज से विदा किया।

जहां सीता-श्याम लाल देवांगन ने पूरे

चोरी के माल सहित दो गिरफ्तार

शाहजहांपुर। चौक कोतवाली पुलिस ने आवास विकास कालोनी के गेट पर रखे खोखा से हुई चोरी का खुलासा कर दो आरोपियों से चोरी का माल बरामद किया है।

प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी पिन्टूपाल का आवास विकास कालोनी गेट पर रखे परचून के खोखे से चोरी हो गई थी। जिसमें हजारों के सामान पर चोरों ने हाथ साफ किया था। पुलिस ने सूचना पर कांट थाना क्षेत्र के गांव गंधार निवासी रंजीत कुमार और लखीमपुर खीरी जनपद के मोहम्मदी थाना हाल निवासी गंधार अमित कुमार को बरेली मोड से बरेली जाने वाली सडक पर बंद पडे पेट्रोल पंप से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से चोरी का माल बरामद हुआ है। उन्होंने बताया दोनों पर अभियोग दर्ज कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

असोथर विद्युत उपकेंद्र की विद्युत व्यवस्था एक माह से ध्वस्त -सैकड़ों गांवों में अघोषित बिजली संकट, धान की रोपाई तक प्रभावित

असोथर, फतेहपुर। एक ओर जहां सरकार 24 घंटे बिजली देने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर असोथर विद्युत उपकेंद्र से जुड़े ग्रामीण उपभोक्ता भीषण बिजली संकट से जूझ रहे हैं। बीते एक माह से इस उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। रोजाना कई बार ट्रिपिंग, घंटों की रोस्टिंग और अघोषित बिजली कटौती से न केवल आमजन परेशान हैं, बल्कि किसानों की धान की रोपाई भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है।

छह फीडरों से जुड़ी है सैकड़ों गांवों की किस्मत

असोथर विद्युत उपकेंद्र से नरैनी, असोथर, थरियांव, गाजीपुर, घरवासीपुर और जरौली नाम के छह फीडर संचालित होते हैं। इन फीडरों के अंतर्गत आने वाले गांवों जैसे बेसड़ी, रामनगर कौहन, जमलामऊ, सरकंडी, पुर, सातों, गेंडुरीं, टीकर, सराय खालिस, बेरूई और हरनवा में बिजली की आंख-मिचैली आम हो गई है। कहीं दो घंटे में दस बार ट्रिपिंग हो रही है, तो कहीं आधे-आधे दिन बिजली गुल रहने लगी है।

धान की रोपाई पर संकट, किसान परेशान

गांवों में बारिश के बाद खेतों में पानी भर गया है और यह रोपाई का मुख्य समय है, लेकिन बिजली नहीं होने से किसान अपने पंपिंग सेट नहीं चला पा रहे हैं। डीजल की कीमतें पहले से ही आसमान छू रही हैं, ऐसे में हर किसान जनरेटर का खर्च नहीं उठा सकता। परिणामस्वरूप, धान की रोपाई की गति बेहद धीमी हो गई है, जिससे आगामी फसल पर प्रतिकूल असर की आशंका जताई जा रही है।

बच्चे, बुजुर्ग, व्यापारी और दुकानदार बेहाल

गर्म हवाओं और उमस भरे मौसम में बिजली संकट ने बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति नाजुक बना दी है। घरों में न तो पंखे चल पा रहे हैं, न ही पानी ठंडा मिल पा रहा है। इधर, कस्बों और बाजारों में कारोबारी तबका भी बुरी तरह प्रभावित है। होटल संचालक, वेल्डिंग वर्कशॉप, इलेक्ट्रॉनिक मरम्मत केंद्र, मोबाइल दुकानदार, जनरेटर ऑपरेटर, आईसक्रीम विक्रेता, फोटो स्टूडियो सभी बिजली के बिना व्यवसाय करने को मजबूर हैं। सब्जी विक्रेता व अन्य फुटकर दुकानदार मोमबत्ती और बैटरी लाइट के सहारे दुकानदारी कर रहे हैं।

न सुनवाई, न समाधान

बढ़ता जा रहा गुस्सा

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि बिजली विभाग के अधिकारियों को कई बार सूचना दी गई, लेकिन या तो फोन नहीं उठता या सिर्फ.लाइन खराब है कहकर पल्ला झाड़ लिया जाता है। न कोई स्थायी समाधान, न कोई जानकारी। लोगों में अब इस उदासीनता को लेकर तीव्र नाराजगी है। व्यापार मंडल और किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्दी ही विद्युत आपूर्ति को दुरुस्त नहीं किया गया

प्रतिक्रियाएं

जितेंद्र कुमार जाट (जेई, विद्युत विभाग, असोथर उपकेंद्र)

उपकेंद्र पर लोड अधिक होने और कुछ तकनीकी खामियों की वजह से फीडर बार-बार ट्रिप कर रहे हैं। टीम को लगा दिया गया है, और पुराने उपकरणों को बदलने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। कोशिश है कि एक सप्ताह के भीतर आपूर्ति को स्थिर किया जाए।

गंदा पानी की छीटें गिराने का विरोध करना महिला को पड़ा भारी

असोथर, फतेहपुर। नगर पंचायत असोथर के किलापर मोहल्ले में गंदे पानी की छींटें गिराने का विरोध करना एक महिला को महंगा पड़ गया। पीड़िता रामदुलारी पत्नी नरेश ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि शनिवार सुबह करीब 6 बजे वह अपने घर के पास नाली में बर्तन धो रही थी, तभी पड़ोसी रमेश पुत्र ननकू और उसका बेटा चंद्रभान पासवान, जो भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का मंडल अध्यक्ष बताया जा रहा है, वह अपने जानवरों का गोबर फेंकने के बाद उसी जगह तसला धोने लगे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397